

सम्पादकीय

भारत को युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए

राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत को युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि मई में पाकिस्तान के साथ चार दिनों के सैन्य संघर्ष ने दिखा दिया कि सीमाओं पर कभी भी, कुछ भी हो सकता है। सिंह ने कहा कि यद्यपि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया था, लेकिन इसे राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में भविष्य की कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करने और सीखने के लिए एक केस स्टडी के रूप में काम करना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि सात-10 मई के अभियान के दौरान स्वदेशी निर्मित सैन्य उपकरणों के प्रभावी उपयोग से क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। हालांकि हमने दृढ़ संकल्प के साथ जवाब दिया और हमारी सेनाएं देश की सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं, फिर भी हमें आत्मचिंतन करते रहना होगा। ऑपरेशन सिंदूर एक केस स्टडी के रूप में काम करना जिससे हम सीख सकें और अपना भविष्य तय कर सकें। इस घटना ने हमें एक बार फिर दिखाया है कि हमारी सीमाओं पर, कहीं भी, कभी भी कुछ भी हो सकता है। हमें युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहना होगा और हमारी तैयारी हमारी अपनी बुनियाद पर आधारित होनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितताएं प्रत्येक क्षेत्र का गहन मूल्यांकन करने की मांग करती हैं, तथा चुनौतियों से निपटने के लिए स्वदेशीकरण ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि स्थापित विश्व व्यवस्था कमजोर हो रही है और कई क्षेत्रों में संघर्ष क्षेत्र बढ़ रहे हैं। इसलिए, भारत के लिए अपनी सुरक्षा और रणनीति को नए सिरे से परिभाषित करना आवश्यक हो गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। विश्वस्तर की राजनीतिक गतिविधियों के साथ-साथ हमारे पड़ोस में बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियों और दोनों देशों के आंतरिक हालात भी दर्शाते हैं कि भारत को अपने पड़ोसियों की नकारात्मक सोच को देखते हुए युद्ध के लिए हर समय तैयार रहने की आवश्यकता है। बांग्लादेश का प्रमुख नेता मोहम्मद युनुस ने पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी को उपहार में किताब दी है, जिसमें बांग्लादेश का विवादित नक्शा भी शामिल है। इस नक्शे में बिहार, झारखंड, ओडिशा, असम और अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों को ग्रेटर बांग्लादेश के हिस्से के तौर पर दिखाया गया है। युनुस ने ये उपहार पाकिस्तान के ज्वाइट चीफ आफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को ढाका में दिया। मिर्जा को पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर का उत्तराधिकारी माना जाता है। युनुस ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर मिर्जा के साथ कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं। इस तस्वीर में एक किताब नजर आ रही है, जिस पर आर्ट आफ ट्रायंग: बांग्लादेश जू न्यू डान, लिखा हुआ है। इस किताब में 2024 में छात्र आंदोलन की शुरुआत से लेकर शेख हसीना सरकार को हटाने तक की तस्वीरें शामिल की गई हैं। हालांकि, मामले में विवाद केवल नक्शे की वजह से है। इसमें ग्रेटर बांग्लादेश की अवधारणा को दर्शाया गया है। इस अवधारणा को ढाका आधारित इस्लामिक कट्टरपंथी, संगठन सल्लत-ए-बांग्ला के दिमाग की उपज माना जा रहा है। इस नक्शे में भारत के समूचे उत्तरपूर्वी हिस्से को ही बांग्लादेश का हिस्सा बताया गया है। साथ ही म्यांमार के अराकान राज्य को भी इसमें शामिल दिखाया गया है। अब तक 12 देशों के नेताओं को दी गई ये किताब दी चुकी है। बांग्लादेश के नेता पहले भी इस किताब को उपहार के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं। सितंबर 2024 में युनुस ने तब के कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो को यह किताब गिफ्ट की थी। इस किताब को गिफ्ट में देना एक राजनीतिक और कूटनीतिक संकेत माना जाता है।

बिहार में एनडीए सरकार लौटने के आसार प्रबल, जदयू के हाथ में रहेगी सत्ता की कुंजी !

कमलेश पांडे

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का शोर दिन-प्रतिदिन तेज होता जा रहा है, क्योंकि आगामी 6 और 11 नवंबर को वहां वोट डाले जाएंगे। इसलिए एनडीए, इंडिया गठबंधन और जनसुराज के नेताओं ने एक-दूसरे पर शब्दिक गोले बरसा रहे हैं। एक दूसरे के अतीत और वर्तमान की बर्खाया उधेड़ें जा रही हैं।लिहाजा, एक सवाल सबकी जेहन को कुरेद रहा है कि क्या शब्दों के चुनावी महरम से निर्धनता और अराजकता के बजबजोते धाव क्या भर पाएंगे। क्या नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर लोगों का विश्वास जीत पाएंगे।

सबसे बड़ा सवाल यहीं कि मतलबपरस्ती के बयार में दोनों प्रमुख गठबंधनों में शामिल दलों की पारस्परिक गाँठ कभी नहीं खुलेगी। यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूँ कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चालों ने 2015 और 2020 के जनपदेशों की जिस तरह से खिल्ली उड़ाई और अपना राजनीतिक स्वाध्याय, उससे क्या वे मतदाता फिर से उनपर या उनके सहयोगियों पर भरोसा कर पाएंगे। यही बात पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी पर लागू होती है। यदि एक बार फिर उन्होंने चाचा नीतीश कुमार को पटा लिया तो उस बिहार का क्या होगा, जो जंगलराज की पुनरावृत्ति सपने में भी नहीं चाहता। रही बात चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की, तो उनकी पार्टी जनसुराज की तान्सीर तो इंडिया गठबंधन से ही मिलती जुलती है। इसलिए उन्हें भी वोट देने का मतलब होगा, परीक्ष रूप से राहुत गंभी-तेजस्वी यादव के हाथों को मजबूत करना। यही वजह है कि बिहार के मतदाता असमंजस में हैं। उन्हें नागनाथ, सांपनाथ और बिच्छूनाथ में किसी पर भरोसा करना ही परा है, लेकिन जब चुनाव है तो किसी को चुनना ही परा। इसलिए नरेंद्र मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर वो ज्यादा गौर फरमा रहे हैं। उन्हें डर है कि ग्रेटर बांग्लादेश का स्वप्न यदि साकार हुआ तो बिहार युद्ध भूमि में तब्दील हो सकता है। खास बात यह है कि जहाँ राम मंदिर के

ईमानदारी के रिप्यूजी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतुल'

इसी घनघोर कन्ययुजन के बीच एक नई फाइल सत्यनिष्ठ जी की मेज पर धड़ाम से आकर गिरी। फाइल का कवर बदरंग था और उस पर लिखा था - 'केस नंबर 420: रमेश बाबू - द खूँटी वाला'। सत्यनिष्ठ जी ने फाइल खोली और पहले पन्ने पर लिखी रिपोर्ट पढ़कर उनका सिर चकरा गया।

इन दिनों 'सद्गुण मंत्रालय' में जो हड़कंप मचा है, वैसा तो स्टॉक मार्केट क्रैश होने पर भी नहीं मगता। मंत्रालय के सैक्रेटरी, श्री सत्यनिष्ठ जी, अपने ऑफिस में दिन में चार बार बीपी की गोली खा रहे हैं और उनके अरिस्टेंट, पी.ए. पुण्य आत्मा को तो हाल ही में बेहाल है। उनका सुपर-बैप्टेटर, 'कैरेक्टर-एनालाइजर 5.0', बार-बार एरर दिखा रहा है। वहाँ आर्यावर्त से आने वाला कन्ययूजिंग डेटा। वहीं एक नई फाइल साफ पड़ी है - 'ईमानदारी इज अ चॉइस, नॉट अ जरूरत'। सत्यनिष्ठ जी अपने अरिस्टेंट पर विल्ला रहे थे, "पुण्य आत्मा, क्या इज दिस मॉस्टसेंट? हमारा डेटाबेस कहता है कि रमेश बाबू का नाम किसी 'कैटेगरी-ए' का ईमानदार है, पर आर्यावर्त का सिरम्भ उसे 'कैटेगरी-एक' का फैलियर बता रहा है। हम उसे 'सर्टिफिकेट ऑफ ऑनैरेस्टी' या 'लेटर ऑफ कंडोलेन्स'?" मामला इतना

घोषणा-पत्र : लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए।

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बड़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब यंत्रों हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद रास्ता या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों की लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिनुता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं।

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के लिएपरी है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे। घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बनें। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने संकल्प पत्र में एक करोड़



नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात एम.एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने तेजस्वी प्रण में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सो ग्रुन्ट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मॉडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्र का उपयोग एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बनें। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को प्रमित न किया जा सके। ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे को वास्तविक रूप में पूरी तरह से लागू



किया जाए? दरअसल चुनावी घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष आने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा-पत्र के रूप में प्रकाशित करती है।

मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा-पत्र एक विजन डॉक्यूमेंट है। इसलिए यह घोषणा-पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दस्तावेज बनना चाहिए। निश्चित रूप से चुनावी घोषणा-पत्र मतदाताओं के लिए निर्णय लेते समय राजनीतिक दलों के शासन के एजेंडे को उनके विचारों को मापने का एक सशक्त माध्यम है। यह भी कहा जा सकता है कि मतदान लेन-देन के जैसा है। एक बार जब चुनावी वादों पर वोट दिए जाते हैं तो यकीनन इसे एक कानूनी अनुबंध माना जाना चाहिए। जब कोई पार्टी चुनाव जीत कर सत्ता में आती है तो सवाल उठता है कि क्या वह घोषणा-पत्र जो एक अनुबंध का रूप ले चुका है, उसे लागू होना चाहिए या नहीं? जिस सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तहत सरकारें चुनी जाती हैं, क्या किए गए वादों को पूरा करने के संदर्भ में उनकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? चुनाव आयोग को भी इस बारे में वैधानिक से विचार करना चाहिए, ताकि इसका कुछ ठोस समाधान किया जा सके। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्ता नहीं होगी, तब तक यह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक में बहते हैं, पर उनका सच समय के साथ ही सामने आएगा कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करते हैं या सिर्फ चुनावी छलावे साबित होते हैं।

लोक कथा शतमन्यु- दयालु और परोपकारी बालक

सत्युग की बात है। एक बार देश में दुर्भिक्ष पड़ा। वर्षा के अभाव से अन्न नहीं हुआ। पशुओं के लिए चारा नहीं रहा। दूसरे वर्ष भी वर्षा नहीं हुई। विपति बढ़ती गयी। नदी-तालाब सूख चले। मार्तण्ड की प्रवण किरणों से धरती रसहीन हो गयी। तुण भस्म हो गए। वृक्ष निष्प्राण हो चले मनुष्यों और पशुओं में हाहाकार मच गया। दुर्भिक्ष बढ़ता गया। एक वर्ष नहीं, दो वर्ष नहीं पूरे बाहर वर्षा तक अनावृष्टि रही। लोग त्राहि-त्राहि करने लगे। कहीं अन्न नहीं, जल , तुण नहीं, वर्षा और शीत ऋतुएँ नहीं। सर्वत्र सर्वदा एक ही ग्रीष्म-ऋतु धरती से उड़ती घूल और अग्नि में सनी तेज लू। आकाश में पंख पसारे दल-के-दल उड़ते पक्षियों के दर्शन दुर्लभ हो गये। पशु पक्षी ही नहीं, कितने मनुष्य काल के गाल में गए, कोई संख्या नहीं। मात्र-स्तनी में दूध न पाकर कितने सुकुमार शिशु मृत्यु की गोद में सी गए, कौन जानें! नर-कंकालों देखकर करुणा की करुणा से भीग जाती। अक्षय एक मुठी अन्न किसी की कोई कहा से देता। नरश का अन्धवेष और धनपत्नीयों के धन अन्न की व्यवस्था कैसे करते? परिस्थिति उत्तरोत्तर बिगड़ती ही चली गयी।

प्राणों के लाले पड़ गये। किसी ने बतलाया की नरमेघ किया गया तो वर्षा हो सकती है। लोगो को बात जँनी; पर प्राण सबको प्यारे है। बलात किसी की बलि दी नहीं जा सकती। विशाल जन-समाज एकत्र हुआ था, पर सभी गुपचाप थे। सबके सर झुके थे। अवाकन नीरवता भङ हुई। सबने दृष्टि उठायी, देखा बारह वर्ष का अत्यन्त सुन्दर बालक खड़ा है। उसके A,-,A-, से कोमलता जैसे चू रही है। उसने कहा, उपरिष्ठ महानभावो! असंख्य प्राणियों की रक्षा एवं देश को संकट की स्थिति से छुटकारा दिलाने के लिये मेरे प्राण सहर्ष प्रस्तुत है। यह प्राण देश के है और देश के लिए अर्पित हो, इससे अधिक सुखयोग्य इनका और क्या होगा? इसे बहाने विव्रमा प्रभु की सेवा इस कायासे हो जायगी। दत्ता शतमन्यु! तु धन्य है। विल्लाते हुए एक व्यक्ति दौड़कर उसे अपने हृदय मे कस दिया। वह उसके पिता थे। तूने अपने पूर्वजों को अमर कर दिया। शतमन्यु की जन्मी भी वहीं थी। समीप आ गयी। उनकी आँखें झर रही थी। उन्होंने शतमन्यु को अपनी छाती इस प्रकार चिपका लिया, जैसे कभी नहीं छोड़ सकेगी। नियत समय पर समारोह के साथ यज्ञ प्रारम्भ हुआ। शतमन्यु को अनेक तीर्थों के जल से स्नान कराकर नवीन वस्त्रा-भूषण पहनाये गए। सुगन्धित चन्दन लगाया गया। पुष्प मालाओं से अलंकृत किया गया। बादक यज्ञ-मण्डप में आया। यज्ञ-स्तम्भ के समीप खड़ा होकर वह देवराज स्मरण करने लगा। यज्ञ-मण्डप शांत एवं नीरव था। बालक सिर झुकाये बलि के लिए तैयार था; एकत्रित जन- समुदाय मौन होकर उधर एकटक देख रहा था, उसी क्षण मृत्यु में विविन बाजे बज उठे।शतमन्यु पर पारिजात-पुष्पो की वृष्टि होती गयी। सहसा मेघ ध्वनि के साथ वज्रघर सुनरेन्द्र प्रकट हो गए। सब लोग आँख फाड़े आश्चर्य के साथ देख रहे थे। शतमन्यु के मस्तक पर अत्यन्त प्यार से अपना वरद हस्त फेरते हुए सुवर्णित वीले झंझावस्तु! तेरी भक्ति और देश की कल्याण-भावना से मैं संतुष्ट हूँ। जिस देश के बालक देश की रक्षा के लिए प्राण अर्पण करने को प्रतिष्ठा प्राप्त रहते हैं, उस देश का कभी पतन नहीं हो सकता। तेरे त्याग के सत्सुद होकर मैं बलि के बिना ही यज्ञ-फल प्रदान कर दूँगा। देवेन्द्र अन्तर्धान हो गये। दूसरे दिन इतनी वृष्टि हुई की धरती पर जल-ही-जल दिखने लगा। सब अन्न-जल, फल-फूल का प्रादुर्भू हो गया। एक देश-प्राण शतमन्यु के त्याग, तप एवं कल्याण की भावना ने सर्वत्र पवित्र आनन्द की सरिता बहा दी।

बाल कहानी साधु और चूहा

महिलारोपम नामक एक दक्षिणी शहर के पास भगवान शिव का एक मंदिर था। वहां एक पवित्र ऋषि रहते थे और मंदिर की देखभाल करते थे। वे भिक्षा के लिए शहर में हर रोज जाते थे, और भोजन के लिए शाम को वापस आते थे। वे अपनी आवश्यकता से अधिक एकत्र कर लेते थे और बाकि का बर्तन में डाल कर गरीब मजदूरों में बाँट देते थे जो बदले में मंदिर की सफाई करते थे और उसे सजावट का काम किया करते थे। उसी आश्रम में एक चूहा भी अपने बिल में रहता था और हर रोज कटोरे में से कुछ न कुछ भोजन चुरा लेता था।

जब साधु को एहसास हुआ कि एक चूहा भोजन चोरी करता है तो उन्होंने इसे राकने के लिए सभी तरह की कोशिशें कीं। उन्होंने कटोरे को काफ़ी उचाई पर रखा ताकि चूहा वहां तक पहुँच न सके, और यहाँ तक कि एक छड़ी के साथ चूहे को मार भगाने की भी कोशिश की, लेकिन चूहा किसी भी तरह कटोरे तक पहुँचने का रास्ता ढूँढ लेता और कुछ भोजन चुरा लेता था। एक दिन, एक भिक्षुक अनेक की यात्रा करने के लिए आये थे। लेकिन साधु का ध्यान तो चूहे को डंडे से मारने में था और वे भिक्षुक से मिल भी नहीं पाए, इसे अपना अपमान समझ भिक्षुक क्रोधित होकर बोले आपके आश्रम में फिर कभी नहीं आऊँगा क्योंकि लगता है मुझसे बात करने के अलावा आपको अन्य काम ज्यादा महत्वपूर्ण लग रहा है। साधु विनम्रतापूर्वक चूहे से जुड़ी अपनी परेशानियों के बारे में भिक्षुक को बताते हैं, कि कैसे चूहा उनके पास से भोजन किसी न किसी तरह से चुरा ही लेता है, यह चूहा किसी भी बिल्ली या बन्दर को हरा सकता है अगर बाग़ मेरे कटोरे तक पहुँचने कि हो तो! मैंने हर कोशिश की है लेकिन वो हर बार किसी न किसी तरीके से भोजन चुरा ही लेता है। भिक्षुक ने साधु की परेशानियों को समझा, और कहा कि, चूहें में इतनी शक्ति, आत्मविश्वास और चंचलता के पीछे अवश्य ही कुछ न कुछ कारण होगा"। मुझे यकीन है कि इसने बहुत सारा भोजन जमा कर रखा होगा और यही कारण है कि चूहा अपने आप को बड़ा महसूस करता है और इसी से उसे ऊँचा कदने कि शक्ति मिलती है। चूहा जानता है कि उसके पास कुछ खोने के लिए नहीं है इसलिए वो डरता नहीं है। इस प्रकार, साधु और भिक्षुक निष्कर्ष निकालते है कि अगर वे चूहे के बिल तक पहुँचने में सफल होते है तो वे चूहे के भोजन के भंडार तक पहुँचने में सक्षम हो जाएंगे। उन्होंने फैसला किया कि अगली सुबह वो चूहे का पीछा करेंगे और उसके बिल तक पहुँच जाएंगे। अगली सुबह वो चूहे का पीछा करते हैं और उसके बिल के प्रवेश द्वार तक पहुँच जाते है। जब वो खुदाई शुरू करते है तो देखते हैं की चूहे ने अनाज का एक विशाल भंडार बना रखा है, फौरन ही साधु ने सारा चुराया गया भोजन एकत्र करके मंदिर में लिवा ले जाते है।

वापस आने पर अपना सारा अनाज गायब देख चूहा बहुत दुखी हुआ और उसे इस बात से गहरा झटका लगा और उसने सारा आत्मविश्वास खो दिया। अब चूहे के पास भोजन का भंडार नहीं था, फिर भी उसने फैसला किया कि वो फिर से रात को कटोरे से भोजन चुराएगा। लेकिन जब उसने कटोरे तक पहुँचने की कोशिश की, तब वह धड़ाम से नीच गिर गया और उसे यह एहसास हुआ कि अब न तो उसके पर शक्ति है, और न ही आत्मविश्वास। उसी समय साधु ने भी छड़ी से उसपर हमला किया। किसी तरह चूहे ने अपनी जान बचायी और भागने में कामयाब रहा और फिर वापस मंदिर की नहीं आया। "यदि हमारे पास भी संसाधनों की कमी न हो तो हम मे भी अद्भुत शक्तियाँ और आत्मविश्वास की कमी कभी नहीं आ सकती!"

धोखाधड़ी करके मंदबुद्धि से बैनामा कराने वाले पर भाजपा नेता मेहरवान

पीड़ित ने जब मामले की शिकायत की तो निकला फर्जी चेक का भी मामला

बेशकीमती जमीन पर सपा नेता दबंग ने अपनी पत्नी के नाम पर करा लिया बैनामा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। घिरोर तहसील व थाना औँछ क्षेत्र के गांव गुराई निवासी मंदबुद्धि भाईयों से धोखाधड़ी करके उनकी एक बीघा जमीन का गलत तरीके से बैनामा कराने वाले दबंग पर भाजपा के नेता भी मेहरवान हैं, भाजपा नेताओं की बजह से प्रशासन स्तर पर कार्रवाई के लिए शिकायती पत्र देने वाले को न्याय नहीं मिल पा रहा है। मंदबुद्धि भाईयों से धोखाधड़ी बैनामा करा लेने के बाद उनका भाई न्याय पाने के लिए भटक रहा हैं, लेकिन भाजपा नेता पीड़ित को न्याय न मिल पाने के लिए कोशिश कर रहे है। जो अब तक इस मामले में कामयाब भी हुए है।

ज्ञात हो कि घिरोर तहसील व औँछ क्षेत्र के गांव गुराई निवासी पीड़ित प्रशांत मिश्रा पुत्र शिवकुमार मिश्रा का आरोप है कि 19 सितंबर को वह काम से अलीगढ़ गया था,



इसी का फायदा उठाकर गांव के ही इन्द्रेश ने प्रशांत के मंदबुद्धि भाईयों रजनेश मिश्रा, अवनीश मिश्रा से कहा कि तुम्हारी पेशन बनवा देंगे यह कहकर इन्द्रेश अपने पुत्र अंकित की कार से दोनो भाईयों को पड़रिया चौराहे पर ले गया, जहां पर पुष्पेंद्र के जन सेवा केंद्र पर एक खाता भी खुलावाया, वहां पर औँछ थाना क्षेत्र के गांव नगला आन्धा निवासी सोवरन सिंह पुत्र वेदराम भी आ गया, और एक रक्री हुई साजिश के तहत प्रशांत के मंदबुद्धि भाईयों को गुंडागर्दी के बल पर जबरन रजिस्ट्री कार्यालय मैनुपुरी ले गए, जहां पर उक्त लोगो ने बिना रूपय दिए ही मंदबुद्धि भाईयों के अलग अलग

अधिकारियों के लगातार चक्कर काट रहा प्रशांत मिश्रा

प्रशांत मिश्रा के दोनो मंदबुद्धि भाईयों की जमीन का बैनामा अपनी पत्नी के नाम करा लेने वाले दबंग सोवरन सिंह यादव पर भाजपा के कुछ छुट्टेभाईया नेताओं के मेहरवानी इस कदर हैं कि वे इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं होना देना चाहते हैं। वे मुख्यमंत्री की जीरो टोलरेंस नीति को झटका देते हुए नजर आ रहे है। जब कि पीड़ित व्यक्ति प्रशांत मिश्रा लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहा है।

मंदबुद्धि भाई को दस दिन बंधक भी बनाकर रखा

उक्त दबंग ने जब बैनामा कराया, तब यह लोग कार से दोनो भाईयों को वापस ला रहे थे, तो इन लोगो ने एक भाई को ज्योती मोड़ से आगे रास्ते में ही उतार दिया और दूसरे भाई रजनेश मिश्रा को दस दिनों का बंधक बनाकर रखा। बैनामा कराने की जानकारी जब प्रशांत को मिली तब उसने कार्रवाई की बात कही तो इन लोगो ने जान से मारने की धमकी भी दी।

क्या बोले एसडीएम घिरोर

अगर धोखाधड़ी करके गलत तरीके से बैनामा कराया गया हैं, तो पीड़ित को बैनामा कैसिलेशन के लिए जाना चाहिए, साथ ही सिविल कोर्ट में दावा भी डालना चाहिए, इसके साथ ही अगर बैनामा हुआ है तो दाखिल खारिज पर आपित भी लगानी चाहिए, इन सभी जगहों पर जाने के बाद न्याय मिल सकेगा।

– प्रसून कश्यप, एसडीएम घिरोर।

गाटा संख्या में शामिल खातों से सोवरन की पत्नी चांदनी देवी के नाम 10-10 बिसेह जमीन का बैनामा पर करा लिया।

घर के बाथरूम में गोली मारकर कर ली आत्महत्या

पूर्व सैनिक ने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली से उड़ाया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कोतवाली सदर क्षेत्र के यादव नगर कॉलोनी में शनिवार सुबह 63 वर्षीय पूर्व सैनिक ने बाथरूम में लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। सिर में गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद सीओ सिटी पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कोतवाली सदर क्षेत्र के यादव नगर निवासी 63 वर्षीय पूर्व सैनिक नागेश्वर सिंह यादव समाजवादी सैनिक प्रकोष्ठ में मंडल सचिव थे। शनिवार सुबह जागने के बाद बाथरूम गए थे। तभी परिजन ने गोली चलने की आवाज सुनी, परिजन जब बाथरूम में पहुंचे, तो



वहां नागेश्वर सिंह का खून से लथपथ शव पड़ा था। सिर में गोली लगी थी, मौके पर उनकी लाइसेंसी पिस्टल पड़ी थी। सूचना मिलने के बाद सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह मौके पर पहुंचे, घटनास्थल का करने के बाद शव मोचरी भेजा।

लाइसेंसी पिस्टल को जांच के लिए भेजा- लाइसेंसी पिस्टल को जांच के लिए फोरेंसिक टीम ने

नेशनल डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने जीते नौ पदक

अर्तमहाविद्यालय प्रतियोगिता में हासिल की सफलता, बधाई दे रहे लोग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। डॉ भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा द्वारा आयोजित अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिता एथलेटिक्स में नेशनल पीजी कॉलेज की छात्राओं ने परचम लहराते हुए 9 पदक प्राप्त किए। प्रतियोगिता जीतने के वापस आने पर प्राचार्य ने सभी को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा अन्तरमहाविद्यालयी प्रतियोगिता एथलेटिक्स मींस सेंट जॉन्स कॉलेज आगरा में दो दिवसीय आयोजित प्रतियोगिता में नेशनल पी०जी० कॉलेज के छात्र/छात्राओं ने 9 पदक प्राप्त किए। प्रतियोगिता में बी०ए० प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कंचन राजपुत ने 10 हजार मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल, 800 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। बी०ए० प्रथम सेमेस्टर की छात्रा लवी राठौर ने 20 किलो मीटर पैदल बाल में गोल्ड मेडल प्राप्त किया।



बी०एससी० तृतीय सेमेस्टर की छात्रा शिवा यादव ने ऊँची कूद व 100 मीटर बाधा दौड़ में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। बी०ए० तृतीय सेमेस्टर की छात्रा आभा यादव ने 10 हजार मीटर दौड़ में ब्रॉज मेडल प्राप्त किये। बी०ए० प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुहानी राठौर ने 100 मीटर बाधा दौड़ में सिल्वर मेडल व 400 मीटर बाधा दौड़ में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। बी०ए० तृतीय सेमेस्टर के छात्र विशाल बाथम ने 20 किलो मीटर पैदल चाल में सिल्वर मेडल

मैनपुरी

चकमार्ग से अवैध कब्जों को हटाएं जाने के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। उपजिलाधिकारी ने ग्राम नरैनी पुर में तहसीलदार एवं कानूनगो को चक मार्ग से अवैध कब्जों को हटाए जाने और प्रधान से चक मार्ग की समस्या दूर किए जाने के निर्देश दिए हैं। ग्राम नरैनीपुर के लगभग डेढ़ दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी संस्था शर्मा को दी गई जानकारी में कहा है कि उसके ग्राम प्रधान द्वारा मनरेगा योजना के तहत इण्टर लॉकिंग सड़क का निर्माण कराया जा रहा है जो गांव के बंबे तक नहीं कराया जा रहा है जिससे लोगों को कोई फायदा नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने सड़क के निर्माण में अवैध कब्जों को भी हटवाए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में आ रही बाधा को हटवाए जाने ओर मार्ग को चौड़ा ओर बंबे तक बनाए जाने की बात कही है। इस संबंध में एसडीएम संस्था शर्मा ने तहसीलदार सहित क्षेत्रीय लेखपाल कानूनगो को मामले की जांच कर अवैध कब्जा हटवाए जाकर रिपोर्ट उनके कार्यालय में भिजवाए जाने को कहा है। इस मौके पर रामप्रसाद, जयराम सिंह, रामओतार सिंह, रामसनेही सिंह, विनोद कुमार, रामप्रसाद, सोरोलाल, गुलाब सिंह, रहीस कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

मैनपुरी में स्टेशन रोड पर चौड़ीकरण का काम फिर शुरू

डेढ़ माह बाद सड़क पर उतरा रोड रोलेर, बिछाई डामर की परत

मोर्निंग सिटी संवाददाता



मैनपुरी। शहर के क्रिश्चियन तिराहा से भांवत चौराहा तक स्टेशन रोड के चौड़ीकरण का डेढ़ माह से बंद पड़ा काम फिर गति पकड़ गया। फोरलेन में परिवर्तित की जा रही सड़क की दोनों लेन पर डामरीकरण की दूसरी व अंतिम परत बिछाना आरंभ कर दिया गया है। दो दिन में एक लेन का कार्य पूर्ण कराया जाना है। ज्ञात हो कि शहर के क्रिश्चियन तिराहा से लगभग 100 मीटर दूर आर्य समाज मंदिर से लेकर भांवत चौराहा तक 900 मीटर लंबी स्टेशन रोड को फोरलेन में परिवर्तित किया जाना है। इसके लिए शासन स्तर से सात करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। अगस्त माह में चौड़ीकरण के कार्य ने गति पकड़ी थी। डामर की एक परत को बिछाकर डिवाइडर का निर्माण कराया गया था। अन्य विभागों के अवरोधकों के न हटने और डिवाइडर को लेकर राजनीति आरंभ होने के कारण कार्य रोक

दिया गया था। लगभग डेढ़ माह से कार्य पूरी तरह से बंद पड़ा हुआ था। शुक्रवार को डामरीकरण का कार्य दोबारा आरंभ कराया गया। भांवत चौराहा की ओर से एक लेन पर डामर की दूसरी परत डाली जा रही है। कार्यदायी संस्था का कहना है कि दो दिन के अंदर डामर बिछाने का कार्य पूर्ण करना है।

अभी भी अवरोध उसी जगह में मौजूद- सड़क के दोनों ओर बिजली विभाग के कुछ खंभे और कनेक्शन बाक्स आ रहे हैं। इस अवरोधकों के कारण पूर्व में अधूरा निर्माण करा सड़क को खुदा ही छोड़ दिया गया था। स्थिति यह रही कि गति से आने वाले

क्या बोले अधिशासी अभियंता

कार्य आरंभ करा दिया गया है। सभी अवरोध को हटवाकर सड़क का मानकानुसार निर्माण कराया जाएगा। डिवाइडर भी निर्मित करा दिए जाएंगे। लोगों से उनके सुझाव भी मांगे गए हैं।

– एके अरुण, अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड, पौडळ्युडी मैनपुरी।

वाहन खुदी पड़ी जगह पर अर्सतुलित हो जाते थे। अभी भी अवरोध उसी स्थान पर हैं। ऐसे में यदि सड़क का डामरीकरण पूर्ण नहीं होता है तो कोहरे में समस्या बढ़ेगी।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दो घायल

गंभीर घायलों का सैफर्ड पीजीआई सैफर्ड में चल रहा इलाज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/औँछ। फिरोजाबाद से लौट रहे बाइक सवार तीन युवकों को शुक्रवार देर रात जसराना रोड पर नगला कंचन के निकट ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया। जबकि दो युवकों की हालत गंभीर होने पर उन्हें पीजीआई सैफर्ड के लिए रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए मोचरी पर रखवाकर टक्कर मारने वाले चालक की तलाश शुरू कर दी है।

औँछ क्षेत्र के गांव विक्रमपुर

हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार

सूचना पर औँछ इस्पेक्टर छत्रपाल सिंह पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने एंबुलेंस की मदद से घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में जांच के बाद डाक्टरों ने राहुल को मृत घोषित कर दिया। जबकि रविकांत और सनी की हालत गंभीर होने पर उन्हें पीजीआई सैफर्ड के लिए रेफर कर दिया गया।

पोस्टमार्टम हाऊस परिजन भी पहुंचे

पुलिस ने शव मोचरी पर रखवाकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। शनिवार सुबह परिजनों पोस्टमार्टम हाऊस पहुंच गए। अब पुलिस टक्कर मारने वाले ट्रक चालक की तलाश कर रही है। इस संबंध में औँछ इस्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजन की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

निवासी 30 वर्षीय राहुल कुमार अपने साथी रविकांत, सनी के साथ बाइक द्वारा फिरोजाबाद के फरिहा में रह रहीं बुआ के घर गए थे। जहां से शुक्रवार की शाम वह लोग वापस गांव लौट रहे थे। रात 10 बजे के करीब जब बाइक औँछ थाना क्षेत्र

के जसराना रोड पर नगला कंचन के निकट पहुंची। तभी पीछे से आए अनियंत्रित ट्रक के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इस बीच चालक ट्रक लेकर फरार हो गया।

आमने सामने जब बैठे तब पिघली रिश्तों पर जमीं बर्फ



परिवार परामर्श केंद्र में सुलझाया दंपति का विवाद, किया विदा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। परिवार परामर्श कोतवाली भोगांव में पति पत्नी के विवाद को आपसी सहमति से निस्तारित कर सुलह कराकर पति के साथ आगरा भेजा गया है।

शनिवार को कोतवाली भोगांव में आयोजित परिवार परामर्श केंद्र में लगभग दस शिकायतों को सुना गया जिसमें से एक जोड़े को समस्या के सुलह हो जाने के उपरांत आगामी

आठ नवंबर को परिवार के साथ आकर केंद्र से विदा कराकर ले जाने की सलाह दी गई जबकि कस्बे की जाहिदा खातून निवासी मोहल्ला मोहम्मद सईद एवं आगरा शाहगंज के रिजवान अहमद के बीच चले आ रहे विवाद को आपसी सहमति से सुलह के बाद में समाप्त कराया गया और कोतवाली से विदा कराकर घर आगरा शाहगंज भिजवा दिया गया।

इस मौके पर परामर्श केंद्र की सदस्य ममता भदौरिया, एस आई मोनिका चौधरी,महिला आरक्षी साधना सिंह यादव आदि सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिकायतों का समय से निस्तारण करें संबंधित अधिकारी

संपूर्ण समाधान दिवस में सीडीओ ने भोगांव में सुनी शिकायतें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील भोगांव में जन-शिकायतें सुनने के दौरान मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापरक निस्तारण प्रत्येक जिला स्तरीय अधिकारी की जिम्मेदारी है इसलिए सभी अधिकारी इस दिवस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के प्रति सजग रहें, शिकायत के निस्तारण में पश्चात शिकायतकर्ता से प्रत्येक चरण में वार्ता की जाये, जिला स्तरीय अधिकारी अधीनस्थों की रिपोर्ट पर निर्भर न रहें बल्कि स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता परखें, शिकायतकर्ता के संतुष्ट होने के उपरांत ही निस्तारण आख्या भेजी जाये। सीडीओ ने कहा कि पक्की

पैमाइश, मेढबंदी के बाद मुड़ी उखाड़ कर पुनः कब्जा करने वालों के विरुद्ध भू-माफिया के तहत सुसंगत धाराओं में प्रभावी कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि गलत विस्तृत बिलिंग के कारण किसी भी उपभोक्ता को अकारण असुविधा का सामना न करना पड़े, सुनिश्चित किया जायें।

तहसील में तहसील दिवस के दौरान जब गोविन्दपुर नि. आरती यादव ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा निवास प्रमाण पत्र जारी करने में अकारण विलम्ब किया जा रहा है, जिस पर उन्होंने उक्त शिकायत की जांच कराने के निर्देश उप जिलाधिकारी भोगांव को दिये, उप जिलाधिकारी भोगांव ने शिकायत की जांच तत्काल नायब तहसीलदार से करायी, नायब तहसीलदार ने अवगत कराया कि

पांच शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया

शनिवार को जन-सुनवाई के दौरान भोगांव क्षेत्र के 24 शिकायतकर्ताओं ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र मुख्य विकास अधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत किये, जिसमें से 05 शिकायतों का मौके पर ही निदान शिकायतकर्ता को राहत प्रदान की, ग्राम उदमपुर नरैनी नि. उमेश चन्द्र, बशीदा देवी ने बिना आदेश के की जा रही पैमाइश को रोकें जाने सहित अन्य लोगों ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्रों के माध्यम से शिकायत की, जिन्हें सम्बन्धित अधिकारियों को पुष्कणित कर निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण हेतु उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये।

संपूर्ण समाधान दिवस में यह रहे मौजूद

इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.सी. गुप्ता, उप जिलाधिकारी भोगांव संस्था शर्मा, क्षेत्राधिकारी भोगांव सत्य प्रकाश शर्मा, पंचायतना निदेशक डी.आर.डी.ए. सत्येंद्र कुमार, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी अशोक कुमार, उपायुक्त उद्योग उर्दबर्ष चन्द्र, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी राजेश बघेल, जिला विद्यालय निरीक्षक सतीश कुमार, जिला बैसिक शिक्षाधिकारी दीपिका गुप्ता, जिला प्रोबेशन अधिकारी राजनाथ राम, तहसीलदार भोगांव गौरव कृष्ण अग्रवाल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

लेखपाल राजेश गौतम द्वारा निवास प्रमाण पत्र जारी करने में जान-बूझकर विलम्ब किया जा रहा है,

जिस पर उप जिलाधिकारी भोगांव ने दोषी लेखपाल के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही के निर्देश दिये।

शिकायतों व समस्याओं के समाधान को डीएम पहुंचे गभाना

फार्मर रजिस्ट्री, प्रगाढ़ पुनरीक्षण, खाद वितरण एवं गौवंशों की शीतकालीन सुरक्षा के संबंध में दिए निर्देश

पीड़ित को कब्जा दिलाने के बाद विपक्षी द्वारा पुनः कब्जा करने पर की जाए कड़ी कार्यवाही

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अंतर्गत शनिवार को जिलाधिकारी संजीव रंजन गभाना पहुंचे। उन्होंने जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान डीएम ने फार्मर रजिस्ट्री, प्रगाढ़ पुनरीक्षण, खाद वितरण एवं गौवंशों की शीतकाल में सुरक्षा प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि एक बार पीड़ित कब्जा दिलाए जाने



के उपरांत यदि विपक्षी द्वारा पुनः कब्जा किया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता की शिकायतों का समयबद्ध समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों को

निर्देशित किया गया कि किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए और मौके पर जाकर तथ्यों की जांच कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने राजस्व, पुलिस, विद्युत, पंचायत, शिक्षा एवं विकास से संबंधित मामलों की समीक्षा की

और जिम्मेदार विभागों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए निर्देशित किया। डीएम ने कहा कि समाधान दिवस केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनसमस्याओं के निवारण का प्रभावी मंच है।

आशाओं ने मानदेय और स्थाई नौकरी को लेकर कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन



मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। जिला कलेक्टर पर आशाओं के द्वारा अपने मानदेय एवं स्थाई नौकरी के लिए प्रदर्शन किया, आशाओं का कहना है कि जो सरकार के द्वारा आशाओं को मानदेय दिया जाता है वह बहुत ही कम है। उस मानदेय में आशाएं को 24 घंटे कार्य करना पड़ता है। आशाओं के द्वारा कहा गया है कि सरकार जिस तरह से महिला

सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। इस तरह आशाओं को भी बढ़ावा दे और उनके मानदेय को बढ़ाया जाए और सभी आशाओं को राज्य कर्मचारियों के रूप में मनोनीत किया जाए, आशाओं का कहना है कि यदि हमारी मांगें पूरी नहीं हुई तो हम कार्य बहिष्कार कर उग्र आंदोलन करेंगे, आशाओं के द्वारा अपनी समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर जिला अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है।

साइबर अपराधों से बचाव हेतु पुलिस का जागरूकता अभियान – छात्रों को बनाया गया डिजिटल वॉरियर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात, संवाददाता। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में थाना साइबर क्राइम पुलिस द्वारा शनिवार को कस्बा अकबरपुर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी अकबरपुर, क्षेत्राधिकारी यातायात तथा प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम सहित कई पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं आमजनमानस को साइबर अपराधों से बचाव तथा डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभागियों को ऑनलाइन फ्रांइड, फेक न्यूज, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और साइबर ठगी से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी। छात्र-छात्राओं को डिजिटल वॉरियर के रूप में तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्हें बताया गया कि किसी भी साइबर अपराध या सदिध ऑनलाइन



गतिविधि की रिपोर्टिंग कैसे करें, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के तरीके ब्या हैं, तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और संबंधित सरकारी ऐप्स का उपयोग कैसे किया जा सकता है। पुलिस अधिकारियों ने जनता से अपील की कि कोई भी व्यक्ति यदि साइबर फ्रांइड का शिकार हो जाए तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या निकटतम थाने में शिकायत दर्ज कराएं। कार्यक्रम में

बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। प्रतिभागियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़ी उपयोगी जानकारी प्राप्त की और पुलिस द्वारा किए गए इस प्रयास को सराहना की।



वार्षिक महाविद्यालय में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर वाद-विवाद व आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में श्री वाष्णीय महाविद्यालय के अध्यापक शिक्षा विभाग में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति क्षमता और तर्कशक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वाद-विवाद प्रतियोगिता और आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो० पंकज कुमार वाष्णीय एवं संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का जीवन देश की एकता, हठ संकल्प और सेवा भावना का प्रेरक उदाहरण है। विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय



था – क्या कुत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) वर्तमान शिक्षकों का स्थान ले सकती है? प्रतिभागियों ने विषय के पक्ष और विपक्ष में प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए। वाद-विवाद प्रतियोगिता के परिणाम बीएड तृतीय वर्ष वर्ग में प्रथम स्थान नवनीत कुमार सिंह, द्वितीय स्थान आकाश कुमार तथा तृतीय स्थान श्रुति सारस्वत ने प्राप्त किया। वहीं बीएड प्रथम सेमेस्टर वर्ग में प्रथम स्थान रुक्मणी, द्वितीय स्थान प्रिया कुमारी तथा तृतीय स्थान वर्षा ने प्राप्त किया। आशुभाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने

विभिन्न समसामयिक विषयों पर अपने तर्क और विचार व्यक्त किए। आशुभाषण प्रतियोगिता के परिणाम: बीएड तृतीय वर्ष वर्ग में प्रथम स्थान नवनीत कुमार सिंह, द्वितीय स्थान आकाश कुमार और तृतीय स्थान निशी शर्मा ने प्राप्त किया। बीएड प्रथम सेमेस्टर वर्ग में प्रथम स्थान महिला और वर्षा (संयुक्त रूप से), द्वितीय स्थान कु.गुजन, तथा तृतीय स्थान प्रिया कुमारी और रुक्मणी (संयुक्त रूप से) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक प्रो. सुधा राजपूत, डॉ. रविंद्र

राजपूत, डॉ. अभय कुमार सिंह, डॉ. सचिन सिंदुरिया, डॉ. राजकुमार वैदिक एवं डॉ. मनोज कुमार, उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को सराहना की। विभागाध्यक्षा प्रो० शशिबाला त्रिवेदी ने परिणामों की घोषणा करते हुए अपने समापन उद्बोधन में कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में नेतृत्व, विचारशीलता और वक्तृत्व कौशल को विकसित करती हैं तथा शिक्षण क्षेत्र में आत्मविश्वास और संवेदनशीलता को बढ़ाती हैं।

ससुरालीजनों ने विवाहिता से की मायपीट, दी तहरीर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर कोतवाली क्षेत्र के टीकमपुरा गांव की विवाहिता ने ससुरालीजनों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि उसका भाई न होने की वजह से ससुरालीजन उसे प्रताड़ित कर अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहे हैं। उसने मामले में महिला थाना पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

महिला थाना पुलिस को दी गई तहरीर में साधना पत्नी उदय प्रताप उर्फ रवि निवासी टीकमपुरा कासगंज ने बताया है कि उसका अपना कोई सगा भाई नहीं है। इसकी वजह से ससुरालीजन उसे अतिरिक्त दहेज के लिए अक्सर प्रताड़ित करते रहते हैं। गत दिवस उसके पति समेत अन्य ससुरालीजनों ने उसे लाठी डंडों व लात घूसों से बेरहमी से मारापीटा। दाइल्स से उसके चेहरे पर भी प्रहार किए। वह किसी तरह ससुरालीजनों के चंगुल से बचकर आई है। उसने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़िता को उपचार व चिकित्सीय परीक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया है और अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

चोरी की घटनाओं का खुलासा, शिवली पुलिस ने एक अभियुक्त व एक बाल अपचारी को किया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात, संवाददाता। जनपद कानपुर देहात में अपराधिक घटनाओं की रोकथाम और खुलासे के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शिवली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी की कई घटनाओं का पदार्पण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

थाना शिवली पुलिस ने शुक्रवार की रात्रि चेकिंग अभियान के दौरान केशरी निवादा नहर पुल से करीब 200 मीटर आगे मजार के पास दो संदिग्ध युवकों को मोटर साइकिल पर पकड़ा। पृष्ठछाछ में एक ने अपना नाम रामसजीवन पुत्र दर्शनलाल (उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम अरसदपुर, थाना शिवली) बताया, जबकि दूसरा युवक नाबालिग निकला।

तलाशी में अभियुक्त रामसजीवन के पास से एक अदद नाजायज तमंचा 32 बोर व दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। मोटर साइकिल के हैंडल से लटके थैले में चोरी करने में प्रयुक्त औजार भी मिले। पुलिस ने



दोनों को हिरासत में लेकर पृष्ठछाछ की, जिसमें अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि उन्होंने बन्नापुर के सरकारी स्कूल से छपूस्मार्ट बोर्ड (78 इंच), तीन बैटरियां, एक यूपीएस, एक गैस सिलेंडर और नई समरसेबल पंप चोरी की थी। इसके अलावा उन्होंने कस्बा शिवली के अधनिर्मित मकान से बिजली के तार, एससीबी बॉक्स और एम्प्लीफायर चोरी करने की बात कबूल की। अभियुक्तों की निशानदेही पर पुलिस ने बन्नापुर से

लगभग 500 मीटर दूर रसूलाबाद रोड के किनारे झाड़ियों में छिपाया गया चोरी का माल बरामद किया। थाना शिवली पुलिस ने अभियुक्तों के विरुद्ध कई अभियोग पंजीकृत किए हैं – मु०अ०स० 336/2025 (धारा 3/25 आर्म्स एक्ट), मु०अ०स० 337/2025 (धारा 317(2) बीएनएस) तथा मु०अ०स० 264/2025 (धारा 305(5)/331(4)/317(2) बीएनएस) में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

यातायात सुरक्षा माह-2025 का शुभारंभ, जिलाधिकारी व पुलिस अधिकारियों ने दिखाई हरी झंडी



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात, संवाददाता। जनपद कानपुर देहात में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने एवं यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शनिवार को

यातायात सुरक्षा माह-2025 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अकबरपुर ओवरब्रिज के नीचे किया गया, जिसमें जिलाधिकारी श्री कपिल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम

का शुभारंभ जिलाधिकारी महोदय व अपर पुलिस अधीक्षक श्री राजेश पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर किया। तत्पश्चात दोनों अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया।



इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री कपिल सिंह ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए नागरिकों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। उन्होंने हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचने, यातायात संकेतों का पालन करने और पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। अपर पुलिस अधीक्षक श्री राजेश पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। पूरे माह भर जनपद के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थानों पर निरंतर यातायात जागरूकता कार्यक्रम, रैलियां और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, ताकि आमजन में दृढ़िक अनुशासन

की भावना विकसित हो। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी यातायात, क्षेत्राधिकारी अकबरपुर, क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर, यातायात प्रभारी सहित पुलिस व प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस दौरान अधिकारियों ने स्वयं रैली में भाग लेकर वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया और नियमों का उल्लंघन करने वालों को चेतावनी दी। आयोजन में स्थानीय नागरिकों, छात्र-छात्राओं और वाहन चालकों ने भाग लिया। सभी ने शपथ ली कि वे यातायात नियमों का पालन करेंगे और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता दें। यह आयोजन जनपद प्रशासन एवं पुलिस की नागरिक सुरक्षा और जिम्मेदार यातायात संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

देव उठनी एकादशी के उपलक्ष में पंचकोशीय परिक्रमा आज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज/सोरो। शूकर क्षेत्र धाम सोरो में देवउठनी एकादशी के अवसर पर रविवार को प्रातः सात बजे से पंचकोशीय परिक्रमा का आयोजन होगा। यह परिक्रमा भगवान वराह मंदिर से प्रारंभ होगी। परिक्रमा को लेकर नगला खंजी गांव में समिति के सह संयोजक शिवानंद उपाध्याय के आवास पर बैठक हुई। इस दौरान तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्राह्मण कल्याण सभा संस्थापक अध्यक्ष एवं शूकर क्षेत्र समाज सेवा समिति संयोजक शरद कुमार पाण्डेय ने की। इस दौरान कोषाध्यक्ष आशीष भारद्वाज ने आगामी मोक्षदा एकादशी पर लगने वाली पंचकोशी परिक्रमा के लिए जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक में रामानंद उपाध्याय, जयप्रकाश त्रिवेदी, प्रदीप उपाध्याय, शिवानंद उपाध्याय, पश्याम किशोर वर्मा, योगेश उपाध्याय, सोमदत्त पाठक, लाखन सिंह, विनोद दीक्षित, रामदयाल वर्मा मौजूद रहे।

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने किया अरनी ग्राम पंचायत का निरीक्षण: मनरेगा से साकार हुआ विकास का मॉडल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने शुक्रवार देर सायं विकासखण्ड खेर की ग्राम पंचायत अरनी में मनरेगा योजनागत विकास अमृत सरोवर एवं मनरेगा पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अमृत सरोवर एवं पार्क की सुंदरता, स्वच्छता और सजीवता देखकर डीएम ने इसे गांव विकास का प्रेरक मॉडल बताया।

उन्होंने कहा कि यदि कार्य पूर्ण मनोयोग, पारदर्शिता और जनसहभागिता से किए जाएं, तो उनका लाभ न केवल आमजन तक पहुंचता है, बल्कि अधिकारी और कर्मचारी दोनों को आत्मसंतोष भी प्राप्त होता है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पार्क में बैठे बुजुर्गों एवं खेलते बच्चों से भी संवाद किया। बुजुर्गों ने बताया कि पार्क के निर्माण से अब वे प्रतिदिन सुबह-शाम यहां बैठकर विग्राम व टहलने का आनंद लेते हैं। कक्षा 01 की छात्रा प्रांजल ने



जिलाधिकारी को बताया कि वह गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में पढ़ती है और शाम को रोज पार्क में खेलती है। बीडीओ खेर आदिल फैज ने बताया कि मनरेगा योजनागत लगभग 6500 मानव दिवस सृजित कर अमृत सरोवर का निर्माण कराया गया है, और इसका नियमित रखरखाव स्थानीय ग्राम पंचायत द्वारा किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने अन्य

विकास खंड अधिकारियों को निर्देश दिए कि अरनी की भांति अपने-अपने क्षेत्र में भी मनरेगा के अंतर्गत विकास कार्यों को आदर्श स्वरूप दें, जिससे यह योजना ग्रामीण विकास की सशक्त मिसाल बन सके। जिलाधिकारी के साथ निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान पंकुता कुशवाहा, बच्चू सिंह, एसडीएम खेर शिशिर सिंह एवं अन्य ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

सोते समय ग्रामीण को सर्प ने डसा, मौत पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर कोतवाली क्षेत्र के मामों गांव में बीती रात एक ग्रामीण को सोते समय सर्प ने दंश मार दिया। जानकारी होने पर परिजन उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। परिजनों के मुताबिक मामों गांव निवासी 70 वर्षीय शिशुपाल सोलंकी पुत्र मोहन सिंह सोलंकी मूल निवासी धामपुरा धामपुरा शुक्रवार की रात अपने घर में सो रहे थे। रात्रि में सोते समय उन्हें सर्प द्वारा पैर के अंगुठे में दंश मारने का अहसास हुआ। इसकी जानकारी उन्होंने परिवारजनों को दी। परिजनों ने वृद्ध की हालत बिगड़ता देख उसे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने वृद्ध का स्वास्थ्य परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। वृद्ध की मौत की खबर सुनकर परिवारजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के बाद कोतवाली पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अलीगढ़। सत्यभान, निवासी-गोपी, अकराबाद, जी०टी० रोड, अलीगढ़ द्वारा दिनांक-23.09.2025 को गोपी ओवरब्रिज, जी०टी० रोड, अलीगढ़ पर हुई सड़क दुर्घटना, जिसमें कार सवार 4 व्यक्तियों की जलकर मृत्यु हो गयी थी एवं एक अन्य व्यक्ति को श्री सत्यभान जी द्वारा जलती हुई कार से बाहर निकालकर एम्बुलेंस द्वारा प्राथमिक उपचार हेतु जिला अस्पताल भिजवाकर उसकी जान बचाई गई। सत्यभान के इस मानवीय कार्य की आज दिनांक एक नवम्बर 2025 से प्रारम्भ होने वाले वाले यातायात माह में जिला प्रशासन, यातायात विभाग एवं परिवहन विभाग, अलीगढ़ भूरि-भूरि प्रशंसा एवं सराहना की गयी तथा इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी। सत्यभान के इस सराहनीय कार्य के दृष्टिगत रखते हुये वरिष्ठ



पुलिस अधीक्षक, अलीगढ़ द्वारा इनको राहवीर चिन्हित कर 25,000 रुपए से पुरस्कृत किया गया तथा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। यदि किसी दुर्घटना में किसी व्यक्ति द्वारा किसी घायल व्यक्ति को एक घंटे के अन्दर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचायी जाती है, तो ऐसे व्यक्ति राहवीर योजना के अन्तर्गत 25000 रुपए की पुरस्कार धनराशि प्राप्त करने के लिये पात्र हो सकेंगे। ऐसे व्यक्ति को निर्धारित प्रारूप में समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर थाने एवं मुख्य चिकित्साधिकारी से रिपोर्ट लगवाकर परिवहन कार्यालय को आख्या प्राप्त करानी होगी।

ऑनलाइन अटेंडेंस के आदेश से शिक्षकों में कड़ा आक्रोश, उप जिलाधिकारी को झापन



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। बेसिक शिक्षा विभाग में उठा पटक के बीच नए-नए आदेशों ने शिक्षकों को चकराधिनी बना दिया है बेसिक शिक्षा के स्कूलों में ऑनलाइन कार्यों की अधिकता से शिक्षक पहले से ही जूझ रहे हैं उसके बाद नए-नए आदेश शिक्षकों के लिए सिर दर्द बनते जा रहे हैं हाल में ही जारी हुए ऑनलाइन हाजरी के आदेश से शिक्षकों में

कड़ा आक्रोश देखने को मिला। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री मुनेश राजपूत का कहना है परिषदीय स्कूल ग्रामीण क्षेत्र में होते हैं जहां नेटवर्क की बहुत बड़ी समस्या रहती है ऐसी स्थिति में इस तरीके के आदेश अव्यवहारिक एवं अमानवीय होते हैं दिलीप यादव एवं जिलाध्यक्ष शुभनेश यादव ने ने इस आदेश को गलत बताया है। शनिवार को इस आदेश के विरोध में शिक्षकों ने

कलेक्ट्रेट पर इकट्ठे होकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप आदेश को वापस कराने की गुहार लगाई है। इस ज्ञापन कार्यक्रम के दौरान मुनेश राजपूत, रतन प्रकाश, प्रदीप यादव, पवनेश कुमार, अंकित भारद्वाज विनीता कुमारी, रवि कुमार नवीन चैहान अभिषेक गौतम सुशील अमित कुमार विनोद कुमार शर्मा नरेंद्र प्रताप सिंह सहित हजारों की संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। परिषदीय विद्यालयों में चल रही संकुल स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन ब्लॉक सहावर के संकुल रोशन नगर में किया गया। जिसमें संकुल के सभी विद्यालयों के छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में दौड़, कबड्डी, लम्बी कूद जैसे खेलों का आयोजन हुआ। जिसमें कंपोजिट विद्यालय याकृतगंज ओवरऑल चैंपियन घोषित किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी आरती चैधरी ने सभी विजयी प्रतिभागियों को मेडल व शील्ड देकर पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान तिलक सिंह, रवि सक्सेना, नवीन कटियार, उमेश दीक्षित, रामकिशन, मुकुल दरगढ़, योगेश कुमार, हेमन्त सोलंकी, योगेंद्र, ज्ञानेश, पंकज कुमार, वीरपाल, भरत सिंह, दीपक, छविराम, मंजु, मानवेन्द्र, तेजेंद्र, अक्षय गौड़, रामबाबु, मो इरफान, दीनदयाल, मुकेश, विजेंद्र सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

शासन की मंशानुसार जनपद की सभी तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील पटियाली में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन, शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापरक एवं निष्पक्ष निस्तारण ही शासन की प्राथमिकता-जिलाधिकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह की अध्यक्षता में तहसील पटियाली के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कर आम जनमानस की समस्याओं व शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापरक एवं निष्पक्ष निस्तारण ही शासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी प्राप्त प्रार्थना पत्रों को शीघ्रता से निस्तारित करना सुनिश्चित करें। जिससे पीड़ितों को पूर्ण संतुष्टि मिले। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी के समक्ष इस अवसर पर अधिक धनराशि के बिजली के बिल आने, विधवा व वृद्धवस्था पेंशन न मिलने, राशन कार्ड बनवाने, भूमि की पैमायश कराने, अवैध कब्जा हटवाने, राजस्व, भूमि विवाद, उत्पीड़न, आपसी विवाद आदि से सम्बंधित 52 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये। जिनमें से 02 प्रार्थना पत्रों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी प्रार्थना पत्रों को गंभीरतापूर्वक सुनकर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त हुई शिकायतों व समस्याओं के प्रभावी व गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील पटियाली में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 राजीव अग्रवाल, उपजिलाधिकारी पटियाली, उपजिलाधिकारी न्यायिक, डीपीआरओ, डीएसओ, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, अधिशाषी अधिव्यंता विद्युत एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारी तथा सीओ, तहसीलदार, समस्त क्षेत्रीय खण्ड विकास अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिले की अन्य दोनों तहसील कासगंज एवं सहावर में मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी द्वारा जनता की समस्याओं व शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा विभागीय अधिकारियों को यथाशीघ्र प्रार्थना पत्रों को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।

छोटी खबरें

मुख्य विकास अधिकारी सचिन को दी गई भावभीनी विदाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कासगंज। मुख्य विकास अधिकारी सचिन का विकास भवन सभागार में विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें समस्त अधिकारियों द्वारा स्मृति विन्द तथा पुष्पगुच्छ भेंट किये गये। मुख्य विकास अधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि आप लोगों ने स्नेह, त्याग, समर्पण और निष्ठा के साथ मेरे साथ कार्य किया है। अधिकारियों ने मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जनपद कासगंज के क्षेत्र में कराये गये उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुये उन्हें अनुकरणीय बताया। विदाई समारोह में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला अर्थ एवं संस्थाधिकारी, डीआरडीए, जिला सूचना अधिकारी समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त ग्राम विकास अधिकारी सहित विचारा भवन के कर्मचारी एवं अधिकारी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रालोद जिलाध्यक्ष ने की गन्ना मूल्य वृद्धि की सराहना

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कासगंज। राष्ट्रीय लोक दल के जिलाध्यक्ष ने बयान जारी करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गन्ने के मूल्य में 30 रूपए प्रति कुंतल की वृद्धि किए जाने के फैसले का स्वागत करता हूँ, घोषणा के अनुसार अग्रेती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 400 रूपए प्रति कुंतल तथा सामान्य प्रजाति के गन्ने का मूल्य 390रूपए प्रति कुंतल तय किया गया है। तपश्चात शमीम अहमद अल्वी ने आगे कहा कि यह निर्णय लम्बे समय से लम्बित किसानों की मांग को पूरा करता है, और इससे किसानों के जीवन स्तर में सुधार होगा। उन्होंने आगे बताया कि गन्ना मूल्य बढ़ाने को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल के केंद्रीय मंत्री भारत सरकार चेवरी जयंत सिंह के आदेशानुसार पार्टी के सांसदों, विधायकों और एम0एल0सी ने कई बार मुख्यमंत्री से भेंटकर किसानों की ओर से मांग उठाई थी, मुख्यमंत्री ने उस समय भरोसा दिलाया था कि आगामी पेराई सत्र 2025-26 में मूल्य बढ़ाया जाएगा! आज उस वादे को पूरा करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने यह घोषणा की है! इस निर्णय से प्रदेश के किसानों में उत्साह का माहौल है! सरकार की यह घोषणा न केवल किसानों के लिए राहत भरी है। बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की भी मजबूती प्रदान करेगी।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष बने पंकज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदार पंकज मिश्रा को सौंपी गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य टिकु मिश्रा फरुखाबाद ने कासगंज निवासी पंकज मिश्रा को जिलाध्यक्ष पद पर मनोनीत कर उन्हें मनोनयन पत्र सौंपा है। प्रदेश उपाध्यक्ष टिकु मिश्रा ने कासगंज में राज्य महिला आयोग की सदस्य के आवास पर बैठक के दौरान ब्राह्मणों के उत्थान व एकता की बात कही। समाज के लोगों ने नव मनोनीत जिलाध्यक्ष पंकज मिश्रा का स्वागत अभिनंदन किया। इस दौरान योगेंद्र कुमार मिश्रा, विकास अवस्थी, अमित कुमार, भुवनेश भारद्वाज, सुखविंदर शर्मा, सचिन मिश्रा, अमित मिश्रा, अरविंद बाजपेई, आकाश शर्मा, अनमोल, ब्रह्मानंद समेत अन्य मौजूद रहे।

ऑनलाइन प्रमाण पत्रों के आवेदनों के निस्तारण में कासगंज उत्तर प्रदेश में रहा प्रथम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। ऑनलाइन प्रमाणपत्रों के सबसे अधिक निस्तारण के साथ ही जनपद कासगंज प्रदेश में ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से दी जा रही सेवाओं में अव्वल रहा है। जिलाधिकारी श्री प्रणय सिंह के नेतृत्व में कासगंज ने एक बार फिर बाजी मारी है। उत्तर प्रदेश सरकार की ई-डिस्ट्रिक्ट योजना एक महत्वाकांक्षी डिजिटल पहल है, जिसके माध्यम से नागरिकों को विभिन्न प्रकार की प्रमाणपत्र सेवाएँ, जैसे कि जाति प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, दिव्यांगता प्रमाणपत्र इत्यादि, पूरी तरह ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाती हैं। इस योजना का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को सरल, पारदर्शी, समयबद्ध और जनता की पहुँच में लाना है।

प्रमाणपत्रों की ऑनलाइन प्राप्ति से न केवल समय की बचत होती है, बल्कि जनसामान्य को बिना किसी कार्यालय में गए आवश्यक सेवाएँ घर बैठकर मिल जाती हैं। शासन द्वारा ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से निगरानी और समीक्षा की जाती है। अक्टूबर 2025 में इसी ई-डिस्ट्रिक्ट योजना के अंतर्गत



ऑनलाइन प्रमाणपत्रों के निस्तारण में जनपद कासगंज ने

एक बार फिर पूरे प्रदेश में शानदार प्रदर्शन किया है। जिलाधिकारी श्री प्रणय सिंह के नेतृत्व में कासगंज जिले ने ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के समय से निस्तारण में उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्री अंशुल माहेश्वरी ने बताया कि अक्टूबर 2025 माह में कासगंज जिले में कुल 15907 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए, जिनमें से 15412 आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सफलतापूर्वक किया गया। शेष आवेदन माह के अंतिम दिनों में प्राप्त हुए हैं, जो वर्तमान में जाँच प्रक्रिया में हैं। इस प्रकार कासगंज ने 96.88: निस्तारण दर के साथ प्रदेश में अपनी निरंतर पहली रैंक बरकरार रखी है। उन्होंने यह भी बताया कि आवेदनों की लगातार समीक्षा की जा रही है ताकि किसी प्रकार की प्रक्रियागत देरी न हो। ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों की सेवाएँ जन सेवा केंद्रों के माध्यम से आम जनता तक पहुँच रही हैं। प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक जन सेवा केंद्र संचालित है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों तक भी डिजिटल सेवाएँ सुगमता से पहुँच रही हैं। इसके अतिरिक्त नागरिक सीधे ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर भी स्वयं आवेदन कर सकते हैं।

डीएम को गुमराह कर रहा है आबकारी विभाग बिना चरित्र प्रमाण जमा किए चल रही है शराब की दुकाने

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। आबकारी विभाग की मेहरबानी से जनपद में बिना लाइसेंस के शराब की दुकानें बेखोफ बिना शराब माफियाओं द्वारा चलाई जा रही हैं। ऐसा ही मामला उस समय प्रकाश में आया जब सुधीर नाम के व्यक्ति ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर जिलाधिकारी को लिखित शिकायत की। सिद्धपुरा कस्बे में एटा रोड स्थित दुकान नंबर एक है जिसके संचालक ने अभी तक अपना चरित्र प्रमाण पत्र आबकारी विभाग को नहीं दिया है। जबकि दुकान को खुले हुए पूरे आठ माह बीत चुके हैं लेकिन अब तक दुकान संचालक द्वारा चरित्र प्रमाण पत्र आबकारी विभाग में जमा नहीं किया है, जबकि प्रावधान यह है कि लाॅटरी निकलने के मात्र 15 दिन के भीतर ही दुकान के अनुज्ञाप्री को अपना चरित्र प्रमाण पत्र जमा करना होता है। इस संबंध में मुख्यमंत्री पोर्टल सहित जिलाधिकारी कासगंज से लेकर शिकायत भी की गई। लेकिन आबकारी विभाग की मिली भगत के चलते विभाग के अधिकारी जिला अधिकारी को गुमराह कर रहे हैं। आपको बता दे कि सिद्धपुरा कस्बे में एटा रोड स्थित दुकान नंबर एक है जिसके संचालक ने अभी तक अपना चरित्र प्रमाण पत्र आबकारी विभाग को नहीं दिया है



जबकि लाटरी निकलने के 15 दिन के अंदर अनुज्ञाप्री को अपना चरित्र प्रमाण पत्र जमा करना जरूरी है। लेकिन मुकदमा गुंडा एक्ट होने की वजह चरित्र प्रमाण पत्र नहीं बना। इस संबंध में सुधीर नाम के व्यक्ति ने मुख्यमंत्री पोर्टल जिलाधिकारी को लिखित शिकायत की। जब आख्या आबकारी विभाग से मांगी तो विभाग के अधिकारियों ने जिलाधिकारी को गुमराह करते हुए रिपोर्ट लगा दी। अब तक दुकान खुले हुए 8 माह बीत चुके हैं लेकिन अभी तक चरित्र प्रमाण पत्र जमा नहीं हुआ, आबकारी विभाग

खेलकूद प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया दमखम

न्याय पंचायत कछेला शेरपुर की खेलकूद प्रतियोगिताएं संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। विकास खंड अमापुर की न्याय पंचायत कछेला शेरपुर की खेलकूद प्रतियोगिताएं शनिवार को संपन्न हुई। प्रतियोगिताओं का आयोजन कंपोजिट विद्यालय थरा चीतरा में हुआ। ब्लॉक पीटीआई मुनेश राजपुत ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। निर्णायक मंडल ने प्रतियोगिताओं का परिणाम घोषित किया। प्रतियोगिता में प्राथमिक बालक वर्ग 50 मीटर दौड़ में आरभ राठौर, प्रशांत, भानु, 100 मीटर दौड़ में अखिलेश, मयंक, मोहित, 200 मीटर दौड़ में संदीप, विशाल, अशुल, लंबी कूद में विशाल, प्रशांत, अखिलेश, प्राथमिक बालिका वर्ग 50 मीटर दौड़ में अर्चना, सोयल, अशिका, 100 मीटर दौड़ में राशि, अर्चना, कीर्ति, 200 मीटर दौड़ में सोनम, कीर्ति, राधा, लंबी कूद में शिखा, कीर्ति, राशि, जूनियर बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में हिमांशु, गोविंद, अंकित, 200 मीटर दौड़ में आयुष, हिमांशु, आशीष, 400 मीटर दौड़ में आशीष, रोहित, मनोज, लंबी कूद में आयुष, आशीष, हिमांशु, जूनियर बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में चंदनी, दीपांजलि, दीपांजलि, 200 मीटर दौड़ में दीपांजलि, चंदनी, निशा, 400 मीटर दौड़ में सोनम, सुश्रुव, विनीता, लंबी कूद में हेमा, सुश्रुव, मोनिका क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। प्राथमिक बालक वर्ग में कबड्डी में विजेता भड्दरी, उपविजेता थरा चीतरा, बालिका वर्ग में विजेता थरा चीतरा, उपविजेता भड्दरी की टीम रही। कबड्डी जूनियर बालिका वर्ग में विजेता भड्दरी, उपविजेता थरा चीतरा, बालक वर्ग में विजेता भड्दरी, उपविजेता थरा चीतरा की टीम रही। इस दौरान प्रेमपाल, राजपाल सिंह सोलंकी, सोरभ शर्मा, राजवीर सिंह, दीपक पछोरी, अर्चना तोमर, कुसुमलता, रामसेवक गोयल, चंद्रशेखर, पीपूष गोयल, अनुपम सिंह, आशा राठौर, अरविंद कुमार, अनुज प्रताप, अमित वेहान, सुनील कुमार, देवेश मितल, सुनील कुमार मौजूद रहे।

अधिष्ठापन समारोह में मेधावी

छात्राओं को वितरित कीं साइकिल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। लायंस क्लब कासगंज सद्भावना का अधिष्ठान समारोह व लायंस क्लब के वंदे मातरम चार्टर समारोह शनिवार को संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष बबिता सिंह वैहान ने जिले की मेधावी छात्राओं को साइकिल वितरित कीं। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि आयोग की अध्यक्ष बबिता सिंह वैहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद अतिथि ने मेधावी छात्राओं को साइकिलो का वितरित की। साथ ही प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। दीक्षा अधिकारी अजय अजय भार्गव ने नवीन 36 सदस्यों को क्लब से जोड़ते हुए उन्हें सेवा की शपथ दिलाई। अधिष्ठापन अधिकारी आरएन वर्मा ने लायन्स क्लब सद्भावना एवं लायंस क्लब वन्देमातरम की नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। मुख्य वक्ता मण्डलाध्यक्ष संजीव तोमर ने लायन्स क्लब वन्देमातरम को चार्टर प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि लायंस क्लब में सेवा कार्य के लिए पुरुषों के साथ महिलाओं को भी आगे आना चाहिए। पूर्व अन्तरराष्ट्रीय निदेशक एवं सीए लीडर जितेन्द्र सिंह वैहान ने कहा कि लायन्स क्लब अन्तरराष्ट्रीय सेवा कार्य करने वाली संस्था है। लायंस क्लब कासगंज सद्भावना के नव नियुक्त अध्यक्ष लायन दीपक मेहरा एवं वंदेमातरम के चार्टर अध्यक्ष लायन विकास गुप्ता ने सभी लायंस साथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन नितिन चोला, गजल चोला, मनोज पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम संयोजक कमल गुप्ता ने सभी का धन्यवाद किया। इस दौरान लायन्स क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर संजीव तोमर, प्रथम उप मंडलाध्यक्ष आरएन वर्मा, द्वितीय उपमंडलाध्यक्ष अजय भार्गव, मंडलीय सचिव विशाल अरोरा, अनुज प्रताप सिंह वैहान एकेएस पुंडीर, अनुराग माहेश्वरी, राकेश चोला, सतीश गुप्ता, सुधीर गौतम, गजेन्द्र गोयल, अमित वाणेष्य, रविंद्र सिंह वैहान, संजय पल्लानी, सुधीर माहेश्वरी, विनोद हरकुट, रामानंद वाणेष्य, सुनील गुप्ता मौजूद रहे।

बेटे व बहू से परेशान मां की पुलिस से शिकायत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। मिथलेश देवी पत्नी रामपाल निवासी महिगवां ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है। बताया शुक्रवार को सुबह करीब 7 बजे धरैलु विवाद को लेकर उन्हें प्रताप सिंह पुत्र नामालूम, गुड़िया पत्नी प्रताप सिंह निवासी ग्राम डोंडापुर थाना बिबुना जिला औरैया व उनकी पुत्रवधू शालू पत्नी अमित ने उनके घर पर आकर गालियां देते हुए मारपीट की। मारपीट के दौरान उनके सर व कई जगह चोट आ गई। उनका लड़का अपनी ससुराल पक्ष का पक्ष करता है और उनकी बहू व लड़का अपनी ससुराल चले गए हैं। पीड़िता को आरोप है कि उनकी बहू आहतव्या करने की धमकी देती है। घर में मनमानी करती है घर में बहुत झगडा करती है और उनकी बहू अपने मायके पूरे जेवरत साथ में ले गई है। उनके गांव के राजीव पुत्र सत्यराम, शशि पत्नी शिवराज उक्त लोग उपरोक्त की बढ़ावा देते हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दाऊजी महाराज और बिहारी जी महाराज मंदिर पर धूमधाम से मनाया गया खाटू श्याम का जन्मोत्सव

मोर्निंग सिटी

संवाददाता

फतेहाबाद। नवंबर कस्बा के बिहारी जी महाराज मंदिर और दाऊजी महाराज मंदिर पर बड़े उल्लास के साथ खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव मनाया गया भक्तों द्वारा बाबा का मनोहारी श्रृंगार किया फुल बंगला सजाए गए और रंग बिरंगी रोशनियां से मंदिर को सजाया गया बिहारी जी महाराज और दाऊजी महाराज मंदिर पर महिलाओं ने भजन कीर्तन के आयोजन किए गए जो देर रात्रि तक चले सुबह से लेकर देर शाम तक श्याम भक्त मंदिरों में दर्शनों को पहुंचे और श्याम बाबा का आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया

महाराजपुर-मोहम्मदपुर चौराहे पर ट्रैक्टर और बाइक की मिड़ंत, दो घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद: थाना निबोहरा क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे महाराजपुर-मोहम्मदपुर चौराहे के पास ट्रैक्टर और बाइक में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार भूरी सिंह पुत्र वीरी सिंह और मनोज पुत्र साहब सिंह, निवासीगण हिमायुंपुर थाना शमशाबाद, गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही जयनारायण सिंह प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों कोपरिजनों के साथ अस्पताल भेजा गया। मौके पर खड़ा मेसी ट्रैक्टर पुलिस द्वारा खिंचवाकर थाने लाया गया है। ट्रैक्टर चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। तहरीर प्राप्त होने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महाराजपुर-मोहम्मदपुर चौराहे पर ट्रैक्टर और बाइक की मिड़ंत, दो घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद: थाना निबोहरा क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे महाराजपुर-मोहम्मदपुर चौराहे के पास ट्रैक्टर और बाइक में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार भूरी सिंह पुत्र वीरी सिंह और मनोज पुत्र साहब सिंह, निवासीगण हिमायुंपुर थाना शमशाबाद, गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही जयनारायण सिंह प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों कोपरिजनों के साथ अस्पताल भेजा गया। मौके पर खड़ा मेसी ट्रैक्टर पुलिस द्वारा खिंचवाकर थाने लाया गया है। ट्रैक्टर चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। तहरीर प्राप्त होने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आगरा

एमजी रोड पर मेट्रो निर्माण कार्य को लेकर यातायात पुलिस हुई सक्रिय, यातायात व्यवस्था सुधार को लेकर अधिकारियों ने किया निरीक्षण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। एमजी रोड पर चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य के बीच शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस उपायुक्त यातायात एवं सहायक पुलिस आयुक्त यातायात ने शनिवार को मेट्रो परियोजना से जुड़े अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्य से प्रभावित हो रहे मार्गों का जायजा लिया और यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने मेट्रो परियोजना अधिकारियों से निर्माण कार्य के कारण उत्पन्न हो रही जाम और आवागमन की समस्याओं पर चर्चा की तथा तत्काल समाधान के लिए सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि मेट्रो कार्य के साथ-साथ शहर की यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रखना प्राथमिकता है ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पुलिस उपायुक्त यातायात ने बताया कि यातायात पुलिस का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना है। इसके लिए टीम लगातार निर्माण स्थलों पर निगरानी रख रही है और जहाँ आवश्यकता है, वहाँ डायवर्जन



और वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जा रही है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय व्यापारियों और दुकानदारों की समस्याएँ भी सुनीं। उनसे यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई। यातायात पुलिस का कहना है कि जनता के सहयोग से ही ट्रैफिक सिस्टम को बेहतर बनाया जा सकता है। शहर के

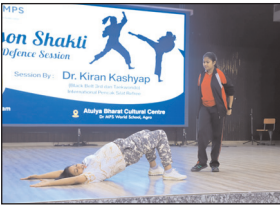
मुख्य मार्गों पर लगातार बढ़ रहे यातायात दबाव को देखते हुए पुलिस विभाग ने मेट्रो निर्माण से जुड़े अधिकारियों के साथ समन्वय बढ़ाने और मौके पर ट्रैफिक स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यातायात पुलिस का प्रयास, शहर में बिना बाधा के आवागमन और नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना।

डॉ. एमपीएस वर्ल्ड स्कूल में मिशन शक्ति के तहत आत्मरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, बालिकाओं को सिखाए आत्मसुरक्षा की दी जानकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत कल्सी इनिशिएटिव के तत्वावधान में शनिवार को डॉ. एमपीएस वर्ल्ड स्कूल में हर्सेल्फ डिफेंसलह विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना और उनमें आत्मविश्वास एवं सुरक्षा की भावना को प्रबल बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या राखी जैन ने किया। उन्होंने आइसस्टॉक स्पोर्ट्स एंसेसिएशन, उत्तर प्रदेश की सचिव डॉ. किरन कश्यप का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इसी क्रम में मीनाक्षी कल्सी, वंशिका कल्सी और आरुषि कल्सी को भी सम्मानित किया गया।

डॉ. किरन कश्यप ने अपनी टीम के साथ छात्राओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक उपायों का प्रदर्शन किया और बताया कि आत्मरक्षा केवल शारीरिक बल नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हर बालिका को यह जानना चाहिए कि संकट की स्थिति में कैसे स्वयं को सुरक्षित रखा जाए। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से जुड़े



हेल्पलाइन नंबर-1098, 181, 112, 1090, 1076 और 1930 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही, इनका उपयोग करने की प्रक्रिया भी समझाई गई ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त की जा सके। विद्यालय के अध्यक्ष स्ववाइून लीडर एंके सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बालिकाओं में आत्मनिर्भरता और साहस की भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि हर बालिका को आत्मरक्षा के गुर सीखने चाहिए ताकि वे किसी

फतेहाबाद के बाईपास रोड से विद्युत ट्रांसफार्मर से कॉपर वायर चोरी



मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। फतेहाबाद के बाईपास रोड पर शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने एक विद्युत ट्रांसफार्मर से कॉपर वायर चोरी कर लिया। ग्रामीणों को शनिवार सुबह घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने स्थानीय विद्युत विभाग को सूचित किया। चोरों ने देर रात विद्युत आपूर्ति जारी रहने के दौरान ट्रांसफार्मर से तार काटकर कॉपर वायर निकाल लिया। सुबह घटना का पता चलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और ट्रांसफार्मर को ठीक करने का काम शुरू किया। विद्युत अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। फतेहाबाद क्षेत्र में इससे पहले भी कॉपर वायर चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं।

बीभत्स सड़क हादसे के पीड़ितों से मिलीं अंशू रानी निषाद, पुलिस व सत्ता पक्ष पर लगाया ओवरलोडिंग का आरोप



मोर्निंग सिटी संवाददाता

पिनाहट। राजा खेड़ा मार्ग पर पापरी नागर के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस हादसे में एक गर्भवती महिला, उसकी 12 वर्षीय पुत्री और बहन का पुत्र ओवरलोड डंपर की चपेट में आकर मौके पर ही जान गंवा बैठे थे।

समाजवादी पार्टी की बाह विधानसभा प्रत्याशी रहीं अंशू रानी निषाद शुक्रवार को मृतकों के परिजनों से मिलीं और गहरा दुख प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह घटना पुलिस और प्रशासन की लापरवाही का परिणाम है।

क्षेत्र में लगातार ओवरलोड डंपरों का आतंक है, लेकिन पुलिस और सत्ता पक्ष की शह पर ऐसे वाहन बेखोफ सड़कों पर दौड़ रहे हैं। अंशू रानी ने कहा कि यदि प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई की होती तो यह दर्दनाक घटना टाली जा सकती थी। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर्षसंभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया

डंपर की चपेट में आकर मौके के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की। गांव के लोगों ने भी कहा कि क्षेत्र में रोजाना ओवरलोड वाहन गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

आगरा में डेंगू ने दी दस्तक , एक केस मिला; वायरल बुखार के 350 से ज्यादा मरीज पहुंचे अस्पताल

मोर्निंग सिटी

संवाददाता



आगरा जिले में डेंगू के केस बढ़ने लगे हैं। टाइफाइड, वायरल बुखार का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है। पांच दिवसीय दीपावली पर्व संपन्न होने के बाद शुक्रवार को जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ उमड़ी जिसमें 338 वायरल बुखार, 74 डायरिया मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने ऐहतियात बरतने की सलाह दी। साथ ही जिला अस्पताल लैब से मिली जांच रिपोर्ट में एक डेंगू और तीन टाइफाइड के नए मरीज मिले हैं। जिला अस्पताल की ओपीडी में चिकित्सकों को दिखाने के लिए शुक्रवार को 1628 मरीजों ने पंच बनवाए। इसके अलावा निजी अस्पताल में भी मरीजों की भीड़ देखने को मिली। जिला अस्पताल की ओपीडी में चिकित्सक को दिखाने के लिए मरीजों को घंटों लाइन में खड़े होकर इंतजार करना पड़ा। इसके बाद तब कहीं जाकर उनका नंबर आया। 176 बड़े व 162 बच्चे वायरल बुखार मिले तो वहीं 74 मरीज डायरिया से पीड़ित थे। जिला अस्पताल की लैब से आई जांच रिपोर्ट में एक डेंगू पॉजिटिव मिला है। जबकि तीन लोगों में टाइफाइड की पुष्टि हुई है। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद मरीजों को दवाएं लिखीं और ऐहतियात बरतने की सलाह दी। मौसम में बार-बार बदलाव हो रहा है। सुबह सदी तो दोपहर में गर्मी हो रही है। इस समय वायरल बुखार फैल रहा है। खान-पान एवं साफ-सफाई का ध्यान रखें। बिना चिकित्सक की सलाह के दवा का सेवन न करें।

सात फेरे लेकर सात जन्मों के बंधन में बंधे 11 जोड़े

प्रजापति समाज के सामूहिक विवाह समारोह में दिया स्वच्छता का संदेश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। प्रजापति समाज के सामूहिक विवाह समारोह में एक ही मंच पर 11 जोड़ों ने एक साथ वैदिक रीति-रिवाजों से फेरे लेकर एक-दूसरे का हाथ थामा। आपको बता दें कि आगरा। प्रजापति युवा जन कल्याण समिति आगरा उ. प्र (रंजित) द्वारा सामूहिक 13वा प्रजापति विवाह सम्मेलन का आयोजन खलोआ गडसानी मलपुरा में आयोजित किया गया। इस मौके पर सरस्वती गोले मंदिर में 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। इन जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए राजस्थान, फरीदाबाद, दिल्ली, हरियाणा आगरा जिले सहित कई गणमान्य लोग पहुंचे।

बैद बाजा के साथ पूरे धूमधाम से बारात निकाली गई तथा हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कराया गया। प्रजापति युवा जल कल्याण समिति आगरा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष टीकम सिंह प्रजापति, संस्थापक करण सिंह रिटायर्ड प्रधानाचार्य संरक्षक लाल सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि सामूहिक विवाह करने का हमारा उद्देश्य समाज में शादी-व्याह से जुड़ीं फिजूलखर्ची को रोकना और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की मदद करना है। विधि विधान से पूजन कराया और अग्नि को साक्षी



मानकर सात फेरे दिलवाए। सभी जोड़ों ने जन्म जन्मांतर तक साथ रहने की कसम खाई। समिति की ओर से नव दंपति को प्रजापति चेतना सभा अध्यक्ष रविंद्र दक्ष, सेवा भाव समिति आगरा के अध्यक्ष सुमित कुमार प्रजापति, दक्ष कल्याण युवा समिति के अध्यक्ष सुनहरी लाल गोला मां जगत जननी सेवार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष विष्णु कुमार प्रजापति ने उपहार भेंट किए। शादी में स्वच्छता का संदेश शादी में हर जोड़ों को दिए गए उपहारों के अलावा स्वच्छता के प्रति जागरूकता के सामान भी भेंट किए गए। इसमें प्लास्टिक का कूड़ेदान, प्लास्टिक की टोकरी और गमले में लगा पौधा दिया गया। इस अवसर पर संस्थापक करन सिंह रिटायर प्रधानाचार्य, संरक्षक लाल सिंह, नथोलाल

ठेकेदार, अध्यक्ष टीकम सिंह प्रजापति, चेताराम मास्टर वरिष्ठ समाजसेवी नवल सिंह प्रजापति युवा समाजसेवी, धीरज प्रजापति ने संचालन किया। पूर्व विधायक कालीचरण सुमन, फरीदाबाद से मंगल सिंह प्रजापति, राजस्थान कमेटी बदन सिंह, महेश चंद, रामफूल, रामचरण, मुन्नालाल धौलपुर, कैप्टन केशव, सुनहरीलाल गोला, कमेटी में दाऊ जी, नीरज, हरजान, श्री चंद, मुन्नालाल, सरवन, नन्हे, ओमप्रकाश, श्री चंद सुतेदी, थान सिंह, बच्चू सिंह, मुन्नीलाल, पीतम, मूलचंद, प्रजापति चेतना सभा के रामजीलाल एडवोकेट सनी कुमार प्रजापति रविकांत दक्ष, उमेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

गोर्वधन पूजा के साथ भगवान की बाल लीलाओं की कथाएं सुनाई

आचार्य संत लोकेशानंद जी महाराज ने सुनाई भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाएं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

पिनाहट उमरैठा में चल रही श्रीद्वाम्भगत कथा में शनिवार को सातवें दिन भगवान श्रीकृष्ण बाल लीलाओं की कथाएं श्रवण कराई गयीं। भगवान श्रीकृष्ण के उद्घोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कथा वाचक आचार्य संत लोकेशानंद जी महाराज ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओ की कथाओं में माखन चोरी , मिट्टी खाने की कथा, कालिया नाग की कथा, ब्रह्मा जी और इन्द्र देव की कथा सुनाते हुए बताया कि किस प्रकार भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लेकर राजा बलि से तीन पग भूमि मांगकर देवताओं को उनका अधिकार वापस दिलाया। उन्होंने मनु-सतरूपा की कथा सुनाते हुए कहा कि मनु-सतरूपा मानवता के आदि रूप हैं, जिनसे सृष्टि की उत्पत्ति हुई। इसके बाद उन्होंने इन्द्र का मान मर्दन करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अंगुली पर सात दिन सात रात्रि तक धारण कर बृजवासियों की रक्षा की। इसी तरह हमें समाज की रक्षा करनी चाहिए। श्रीकृष्ण प्रसंग सुनाया, पंडाल में जय-जय श्रीकृष्ण के गगनभेदी उद्घोष गुंज उठे। भक्तों ने झूमते हुए नृत्य किया और कथा आनंद पूरे क्षेत्र में फैल गया। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि कथा का समापन आगामी दिवस हवन और भंडारे के साथ होगा। पंडित रामवीर तेनगुरिया,कमला तेनगुरिया, राजेश तेनगुरिया, अशोक कुमार तेनगुरिया,हरि किशोर व्यास, सांसद प्रतिनिधि मुन्ना लंबरदार, संजय भदौरिया,बंटी जादौन, शिवसिंह भदौरिया, प्रदीप बघेल, सोनू भारद्वाज, रक्षपाल भदौरिया,राजू भारद्वाज आदि ने भगवत पुराण की आरती उतारी।

भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में कर रहा एहसास : मुख्यमंत्री योगी

प्रभावी नेतृत्व से बदली दुनिया की धारणा, सशक्त भारत का नया युग शुरू - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी पहचान के संकट के दौर से गुजरने वाला भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में उभरकर सामने आया है। यह परिवर्तन प्रभावी नेतृत्व की कार्यपद्धति का परिणाम है। समर्थ और प्रभावशाली नेतृत्व वही होता है जो देश के प्रति दुनिया की धारणा को बदल सके। बीते 11 वर्षों में भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यही परिवर्तन देखा है। योगिराज बाबा गंधारनाथ प्रेमगृह में सैमसंग इनोवेशन कैम्पस के प्रमणपत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले का भारत भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के दौर से गुजर रहा था। वैश्विक स्तर पर देश का सम्मान कम हो रहा था, युवाओं के सम्मान पहचान का संकट था। परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास और जनहित के अनेक कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन से भारत ने विश्व पटल पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित की है।

उन्होंने कहा कि पीएम स्टार्टअप, पीएम स्टैंडअप और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने न केवल भारत को नई दिशा दी बल्कि देश को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि निरंतर प्रयासों का परिणाम है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि तकनीकी आज जीवन सुगमता बढ़ाने का माध्यम बन सकती है। युवाओं को उभरती



तकनीक (इमर्जिंग टेक्नोलॉजी) और नवाचार की दिशा में कार्य करना चाहिए ताकि जीवन को और सरल बनाया जा सके। उन्होंने शिक्षण संस्थानों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को समयबद्ध ढंग से लागू करने का आह्वान करते हुए बताया कि प्रदेश सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 150 से अधिक आईटीआई संस्थानों में युवाओं को आधुनिक व्यावसायिक प्रशिक्षण से जोड़ा है। सीएम योगी ने कहा कि केवल व्यवस्था को दोष देना समाधान नहीं है। समस्या का समाधान खोजने से ही सफलता का मार्ग मिलता है। उन्होंने कहा कि सफलता के दो ही रास्ते हैं ,या तो समाधान की पहल करें या पलायन करें। समाधान की दिशा में कार्य करना ही सफलता की कुंजी है। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि ट्रैफिक जाम की समस्या पर हर कोई चर्चा करता है, लेकिन नियमों का पालन कम ही लोग करते हैं। ट्रैफिक नियम सुविधा और सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं, इनका पालन

करने से ही जाम जैसी समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि पूरी दुनिया पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है। दिल्ली जैसे शहर गैस चैंबर बन गए हैं, क्योंकि लोग पराली जलाने या कूड़ा-कचरा नालियों में फेंकने जैसी गलतियों से बाज नहीं आते। उन्होंने कहा कि समस्याओं का समाधान समाज की भागीदारी से ही संभव है। वही व्यवस्था प्रगति करती है जिसे समाज लीड करता है, न कि जो केवल सरकार पर निर्भर रहती है। मुख्यमंत्री ने युवाओं के स्वावलंबन के लिए युपी सरकार द्वारा बनाए गए 1000 करोड़ रुपये के फंड का उल्लेख करते हुए कहा कि युवा सैमसंग इनोवेशन कैम्पस जैसे प्लेटफार्म से जुड़कर स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं। उद्योगों को युवाओं को इंटरनीशप के अधिक अवसर देने चाहिए। उन्होंने कहा कि सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी अनिवार्य है, क्योंकि यही जीवन में उपयोगी साबित होता है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में 50

नाव हादसा: अब तक नहीं मिले लापता हुए आठ लोग खाली हाथ रही रेस्क्यू टीम



थे। इसके बाद गोरखपुर से आए सोनार टेक्निकल ध्वनि आधारित दिशा-निर्धारण और माप तकनीक) विशेषज्ञों ने मोचा संचाला। लेकिन शाम तक सफलता नहीं मिली। रेस्क्यू टीम ने बताया कि सोनार सिस्टम के जरिए नदी की गहराइयों में तलाश की जा रही है। यह सिस्टम सेंसर कैमरे की तरह काम करता है, जिसे पानी के भीतर डालकर लैपटॉप से मॉनिटर किया जाता है। इस अभियान में 11वीं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) वाराणसी की टीम शामिल है, जिसका नेतृत्व उप-कमांडेंट प्रेम कुमार पासवान कर रहे हैं। उनके साथ निरीक्षक सभाजीत यादव और उप-निरीक्षक कुलदीप सिंह भी मौजूद रहे।

एसडीएम मिर्हौपुरवा रामदयाल ने बताया कि चौथे दिन भी लापता 8 लोगों का पता नहीं चल सका है। कौड़ियाला पहाड़ी नदी है, ऐसे में स्थानीय गोताखोर नदी की भौगोलिक दशा के बारे में पूरी तरह परिचित हैं। स्थानीय गोताखोरों को नदी में उतारने से उन्हें भी एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम के साथ लगाया जाए। लेकिन रेस्क्यू अभियान नदी के बहाव पर भी निर्भर करेगा।

सुबह होते ही नदी किनारे ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सबकी निगाहें नदी पर टिकी रहीं, लेकिन हर बीते पल के साथ उम्मीदें कमजोर होती गईं। तेज बहाव के चलते गोताखोरों की टीम शनिवार को नदी में सिर्फ दो बार ही उतरी लेकिन खाली हाथ रही। बहाव तेज होने से गोताखोर उठर नहीं पा रहे

'कायदे में रहोगे तो सोचूंगी, नहीं तो...' सीओ सदर पत्नी ने डॉक्टर पति को दी धमकी; बेटे का सरनेम भी बदला

आजमगढ़

उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां तैनात सीओ सदर पर उनके ही पति ने धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक से मिलने पहुंचे उनके पति डॉ. सत्यम ने मीडिया को बताया कि शादी के बाद पुत्र की प्राप्ति के बाद उनकी पत्नी अलग रह रही हैं। जब भी वह बात करने की कोशिश करते हैं तो वह उन्हें जेल भेजने की धमकी देती हैं। राजकीय मेडिकल कॉलेज चक्रपानपुर में सहायक प्रोफेसर के पद पर तैनात डॉ. सत्यम ने बताया कि जुन 2023 में बलिया निवासी आस्था जायसवाल से उनका विवाह हुआ था। अप्रैल 2024 में दंपती को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई।

डॉ. सत्यम का आरोप है कि बच्चे का नाम उनकी सहमति के बिना बदल दिया गया। पहले उनके पुत्र का सरनेम गुप्ता था, जिसे बदलकर अब जायसवाल कर दिया गया है। शादी के बाद पत्नी की विधिवत विदाई कभी नहीं हुई और अब वह अलग रह रही हैं। जब उनसे बात करने की कोशिश की गई तो सीओ ने चेतावनी दी कि कायदे में रहोगे तो सोचूंगी, वरना जेल भेज दूंगी। इस मामले में डॉ. सत्यम बृहस्पतिवार को पुलिस से मिले। उन्होंने यह भी बताया कि मार्च 2025 में उन्होंने अदालत में तलाक के लिए आवेदन दिया है। न तो उनकी पत्नी उन्हें तलाक दे रही हैं और न ही उनके साथ रहने को तैयार हैं। जब उनसे बात की जाती है तो वह जेल भेजने की धमकी देती हैं।

घर से भागी तीन सहेलियां: एक प्रेमी संग हिमाचल निकली दूसरी गई रुद्रपुर; तीसरी ने तोड़ दिए दोनों के सारे सपने



यूपी के बारादरी थाना क्षेत्र से तीन दिन पहले तीन किशोरियां एक साथ उनकी तलाश करते रहे। कामयाबी नहीं मिली तो बारादरी थाने में उनके अपहरण की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। बारादरी पुलिस ने सीसी फुटेज के सहारे एक किशोरी को अमरोहा से खोज निकाला। पता लगा कि एक किशोरी प्रेमी संग हिमाचल प्रदेश चली गई है। एक अन्य किशोरी के रुद्रपुर जाने की जानकारी मिली है। दोनों की तलाश में टीमें संबंधित ठिकानों के लिए रवाना हुई हैं। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि 29 अक्तूबर को दोपहर बाद उनके क्षेत्र की तीन

खुद रोजगार और शादी करने का दिया झांसा

पुलिस को मिली छात्रा ने बताया कि उसी सहेली ने उन दोनों से कहा था कि परिवार के लोग उनकी भावनाओं को नहीं समझेंगे। दिल्ली या हिमाचल में वे किराये के कमरे में रहेंगी। कहीं फैक्टरी में नौकरी और अपनी इच्छा से शादी करेंगी। वह उन दोनों को अमरोहा के गजरोला ले गई, जहां उसका प्रेमी हिमाचल से अपने घर आया हुआ था। तीनों सहेलियां दो दिन गजरोला में ही रहीं।

रुद्रपुर जाने वाली किशोरी की नरियावल तक मिली लोकेशन

अमरोहा से मिली किशोरी ने पुलिस को बताया कि दो दिन बाहर रहने के बाद उसकी तीसरी सहेली ने अपने प्रेमी से फोन पर संपर्क किया। फिर वह बस में बैठकर बरेली आई। परिवार व पुलिस की नजर से बचने के लिए वह सेटेलाइट बस स्टैंड से पहले उतर गई। वहां से टैंगो से नरियावल गई। इस्पेक्टर ने बताया कि पुलिस ने नरियावल तक उसकी सीसी फुटेज खोज ली है। पता लगा है कि उसका नरियावल निवासी प्रेमी रुद्रपुर की किसी फैक्टरी में काम करता है। इसलिए पुलिस टीम उसके रुद्रपुर में होने की उम्मीद में वहां गई है। तीनों सहेलियां खुद ही घर से निकली थीं। पुलिस ने सीसी फुटेज के सहारे एक को तलाश लिया है। दूसरी के हिमाचल प्रदेश में होने की पुष्टि हुई है। तीसरी रुद्रपुर में हो सकती है। जल्द ही उन दोनों को भी तलाश कर कोर्ट में पेश किया जाएगा।

- पंकज श्रीवास्तव, सीओ तृतीय

'तुम दोनों 'गे' हो... मैं ये बात सबको बता दूंगा', धमकी देने से खफा दोस्तों ने मनीष को क्रूरता से मार डाला

शामली

उत्तर प्रदेश के शामली जिले में कीटनाशक विक्रेता मनीष हत्याकांड में चौकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी दोस्त राजवीर और उसके साथी साहिल को गिरफ्तार किया है। पछताछ में आरोपियों ने हत्या की वजह हैरान करने वाली बताई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल चाकू, फोन और बैग के साथ उसमें रखे रजिस्टर व आधार कार्ड बरामद किए गए हैं। आरोपियों ने बताया कि कीटनाशक विक्रेता मनीष की हत्या दोस्त को उसके समलैंगिक संबंधों का खुलासा करने की धमकी देने पर की गई थी। एसपी एनपी सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि गांव खेड़ाभाऊ निवासी मनीष (28) की बृहस्पतिवार को दोपहर हत्या की रिपोर्ट दर्जक ताऊ रूप सिंह की तरफ से उद्घाटन थाने में दर्ज की गई थी। इस हत्याकांड में शामिल दो आरोपी राजवीर निवासी मोहरल्ला अंसरियान पट्टी जयसिंह उन व उसके साथी साहिल निवासी गांव पीपलहेड़ा थाना तितावी जयपद मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार किया



गया है। पकड़े गए एक आरोपी ने अपने को समलैंगिक बताया है। कीटनाशक विक्रेता मनीष को वह काफी समय से जानता था। उसके गांव में उसका काफी आना जाना था। उसकी मनीष से दोस्ती हो गई। राजवीर का कहना है कि कुछ दिन पहले उसकी साहिल से भी दोस्ती हो गई। इसकी जानकारी होने पर मनीष

दिनदहाड़े कीटनाशक विक्रेता की चाकू से गोदकर हत्या

यूपी के शामली के गांव खेड़ा भाऊ निवासी कीटनाशक विक्रेता मनीष (28) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। वह घायल अवस्था में खेड़ा भाऊ गांव के पास सड़क किनारे पड़ा मिला था। पुलिस के मुताबिक गांव खेड़ा भाऊ निवासी मनीष कुमार एक कंपनी में कीटनाशक बेचने का काम करता था। बृहस्पतिवार को वह किसी काम से ऊन गया था और हां से दोपहर करीब डेढ़ बजे घर लौट रहा था। उसके ताऊ रूप सिंह को जानकारी मिली कि मनीष गांव के रास्ते पर स्लीमिंग पुल के निकट घायलवस्था में पड़ा हुआ है। परिजन उस लेकर ऊन सीपचसी पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पेट व सीने पर चाकू के गोदे जाने के दो निशान मिले हैं। लोगों ने कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया।

मनीष ने फोन पर परिजनों से बोला था, पांच मिनट में घर पहुंचेगा

गांव खेड़ा भाऊ निवासी मनीष चार बहनों का इकलौता भाई था। उसकी हत्या के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों की दोपहर में फोन पर बात हुई तो उसने बताया कि वह पांच मिनट में घर पहुंच जाएगा, लेकिन परिजनों को क्या पता था कि अब वह कभी घर नहीं आ पाया। मनीष से बड़ी तीन बहनें और एक छोटी बहन हैं। सभी बहनों की शादी हो चुकी है। मनीष की भी करीब छह महीने पहले ही शादी हुई थी। पिता अंगद खेती करते हैं। मृतक के ताऊ रूप सिंह ने बताया कि आरोपी राजवीर सिंह और उनके परिवारों के बीच करीब पांच साल से आना जाना था। दोनों के बीच किसी तरह का कोई विवाद भी नहीं था, लेकिन किस बात को लेकर मनीष की हत्या की गई। इसके बारे में अभी कुछ नहीं कह सकते। उधर, मृतक की चाची अनिता ने बताया कि दो-तीन दिन पहले मनीष ने घर पर बताया था कि उसकी किसी के साथ कहासुनी हो गई है। इससे आगे उसने कुछ नहीं बताया और न ही पुलिस को कोई शिकायत की गई थी। दोपहर में उससे फोन पर बात हुई थी तो उसने पांच मिनट में घर पहुंचने की बात कही थी, लेकिन वह घर नहीं पहुंच सका और रास्ते में ही उसे पकड़ लिया और उसकी हत्या कर दी।

पंचायत चुनाव में फर्जी वोटरों को पकड़ने के लिए आयोग ने बनाई रणनीति, एप के जरिए पहचाने जाएंगे नकली मतदाता



पंचायत चुनाव में फर्जी वोटरों को मोबाइल एप की मदद से पकड़ा जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग इस एप को तैयार करवा रहा है। इससे बूथ पर वोट देने आने वाले हर मतदाता का फोटो लिया जाएगा, जो उसी वक्त (रियल टाइम में) आयोग के सर्वर पर सिक होकर पहुंच जाएगा। इससे कोई एक मतदाता, मतदान के उसी चरण में या अन्य किसी चरण में दुबारा वोट नहीं डाल पाएगा। उत्तर प्रदेश में क्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में होने हैं। वर्ष 2021 में हुए पंचायत चुनाव में कुल 12.45 करोड़ मतदाता थे। इनमें 90 लाख से ज्यादा मतदाता ऐसे मिले हैं, जिनके नाम, पिता के नाम और लिंग जानकारी है। आयोग का मानना है कि मतदाता सूचियों में 2.27 करोड़ मतदाता डुप्लीकेट हैं। इन्हें जांच के बाद हटाने के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। यूपी में अभी पंचायत चुनाव की मतदाता सूची में मतदाताओं के फोटो नहीं लगे हैं। इसलिए डुप्लीकेट मतदाताओं के फर्जी वोटिंग करने की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। इसे रोकने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने खास मोबाइल एप तैयार करने का निर्णय लिया है। यह प्रयोग इससे पहले मध्य प्रदेश के पंचायत चुनावों में हो चुका है। इस एप का उपयोग मतदान के दिन सभी पीठासीन अधिकारी करेंगे। मोबाइल नंबर पर वन टाइम पासवर्ड के जरिये वे इस एप पर जाकर लॉगइन कर सकेंगे। जो भी मतदाता वोट देने आएगा, मतदान कर्मी इस एप के माध्यम से उसका फोटो लेंगे। जैसे ही यह फोटो एप में सेव किया जाएगा, वो सिक (संबद्ध) होकर आयोग के सर्वर पर पहुंच जाएगा। फोटो के साथ ही उस मतदाता को आयोग से मिला विशिष्ट मतदाता नंबर भी सेव हो जाएगा। अब अगर कोई मतदाता दूसरी बार वोट देने जाएगा तो वहां भी उसका फोटो लिया जाएगा। ऐसा होते ही एप अलर्ट जारी कर देगा कि उससे पहले उस विशिष्ट नंबर वाले मतदाता ने कहा, कब और कितने समय वोट डाला था। तब दूसरी बार मतदान करने वाले मतदाता के खिलाफ आसानी से कार्रवाई हो सकेगी। आयोग के उच्चादपस्थ सूत्रों का कहना है कि पंचायत चुनाव में 70-80 प्रतिशत मतदान होता है। एप के माध्यम से 70-80 फीसदी मतदाताओं के फोटो आयोग के सर्वर पर आ जाएंगे। इनका उपयोग बाद में फोटोयुक्त मतदाता पहचान पर बनाने में किया जा सकेगा।

यूपी: प्रदेश में खत्म हुआ मांथा चक्रवात का असर, दो दिन के बाद अचानक बढ़ सकता है दिन-रात का तापमान



दो दिन बारिश के बाद तातावरण में बढ़ी ठंड तीसरे दिन कम पड़ गई। तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई तो यही मौसम शांत रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अब आगे ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। प्रदेश भर में अधिकतम और न्यूनतम तापमान दोनों में वृद्धि दर्ज किए जाने के आसार हैं। नवंबर में रातें अपेक्षाकृत कम ठंडी रहने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इस बार मौसम को देखते हुए आम धारणा बन रही थी कि इस बार ठंड बहुत ज्यादा पड़ने वाली है लेकिन मौसम विभाग की माने तो ऐसा कुछ भी नहीं है और नवंबर में रातें कम ठंडी होंगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अक्टूबर के दौरान प्रदेश में 28.2 मिमी. के दीर्घकालिक औसत के सापेक्ष 131 फीसदी अधिक कुल समेकित वर्षा 65.2 मिमी दर्ज की गई। इस दौरान सोनभद्र में सर्वाधिक 211.6 मिमी. वर्षा हुई जबकि वाराणसी 210.3 मिमी. के साथ प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा। इस अवधि के दौरान प्रदेश में औसत मासिक न्यूनतम तापमान जहां सामान्य से 1-2 डिग्री अधिक रहा वहीं औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री कम रहा। मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह के अनुसार, नकारात्मक हिंद महासागरीय द्विध्रुव परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव के दृष्टिगत प्रदेश में नवंबर के दौरान नगण्य औसत वर्षा के सापेक्ष अधिक वर्षा होने की संभावना है। नवंबर महीने के दौरान जहां प्रदेश के तराई इलाकों में दिन का औसत मासिक अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक व अन्य स्थानों पर यह सामान्य से कम रहने की संभावना है। प्रदेश के अधिकांश भाग में रात का औसत मासिक न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि शनिवार को प्रदेश में कानपुर में अधिकतम तापमान सबसे अधिक 32.6 डिग्री दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सबसे कम बलिया में 24 डिग्री दर्ज किया गया।

कैंसर का कहर: लगातार हो रही मौतों से गांव में दहशत, डर के साए में लोग; ग्रामीण बोले- पानी और मिट्टी की हो जांच



और पर्यावरण परीक्षण नहीं कराए जाते, तब तक कैंसर की यह काली छाया और फैल सकती है। फ्लेंडी गांव के लगभग हर मोहल्ले में कोई न कोई घर ऐसा है, जहां पिछले कुछ महीनों में किसी सदस्य की कैंसर से मौत हुई है। ग्रामीणों के अनुसार अब तक करीब 25 से 30 लोगों की मौत कैंसर से हो चुकी है, जबकि काफी लोग अभी भी बीमारी से जूझ रहे हैं। कुछ का इलाज गुरुग्राम, दिल्ली और जयपुर जैसे शहरों में चल रहा है। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि पहले कभी ऐसी बीमारी नहीं थी, पीड़ा को और बढ़ा रही है। गांव के लोगों का कहना है कि कैंसर के मामले में जांचकारी दी, लेकिन न तो गांव में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया और न ही किसी अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने अब इस मामले को जिला उपायुक्त के रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान उनके सज्ञान में लाया। जिस पर उपायुक्त ने जल्द ही गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजने और पानी की जांच कराने का आश्वासन दिया है। फ्लेंडी गांव की यह स्थिति ने केवल प्रशासन के लिए चेतावनी है, बल्कि यह बताती है कि ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं कितनी उपेक्षित हैं। जब तक गांव में व्यापक स्वास्थ्य जांच



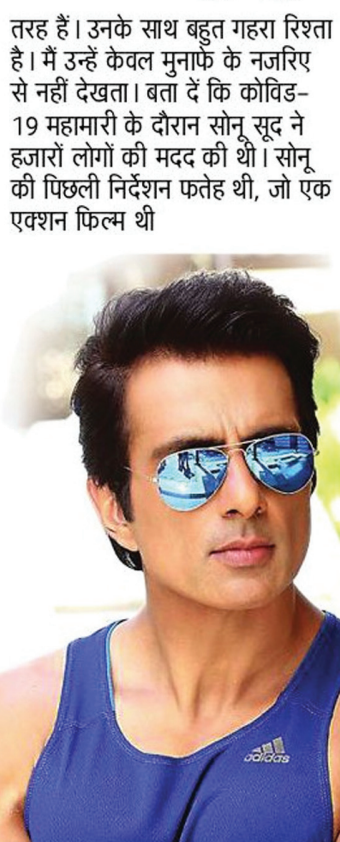
नायरा बनर्जी ने बताया एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का सच

एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने द फी प्रेस जर्नल के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत में फिल्म इंडस्ट्री को लेकर कई बातें बताई हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे शुरुआत में उन्हें महिला होने के नाते अलग-अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इंटरव्यू में नायरा कहती हैं- मेरा पहला फोटोशूट था और मैं छोटी बच्ची की तरह क्यूट पोज देती थी। लेकिन फोटोग्राफर मुझसे कहते कि तुमने क्या रिया सेन को देखा है? उसकी आंखों को देखो, उसके पोज देने के तरीके को देखो। मैं उस समय मात्र 16 साल की थी। और वो मुझे कहते कि रिया की तरह पोज करो। नायरा बताती हैं कि उस दौरान उनकी मां वहां मौजूद थी और उनका रिक्वेशन था कि फोटोग्राफर कह क्या रहे हैं? फोटोग्राफर मेरी मां से कहते कि मैडम वो फिल्म इंडस्ट्री में आ रही है इसलिए उसे ये सब करना होगा। अगर वह ऐसे पोज देगी और हॉट दिखेगी तो उसे जल्दी ही फिल्म में मिल जाएगी। इसी इंटरव्यू में जब उनसे इंडस्ट्री में मिलने वाले कंप्रोमाइज ऑफर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया- 'मुझे भी इस तरह के कॉल आते थे। मुझे कमिंटमेंट नाम की एक अजीब चीज के लिए कॉल आते थे। जो डायरेक्टर के साथ एक तरह का समझौता होता था। मैं सोचती थी कि कमिंटमेंट क्या होता है? मेरी मां के सामने तो कोई मुझे ये नहीं बताता था, लेकिन जब वरु मेंबर मुझे स्क्रिप्ट देने आते थे, तो वो कुछ इस तरह का इशारा करते थे। एक बार मुझे अचानक से कॉल आया और मैं गुस्सा गई और बोली कि अपनी मां को भेजो, अपनी बहन को भेजो या फिर खुद जाओ। नायरा के करियर की बात करें तो उन्होंने कम उम्र में ही इंडस्ट्री में एंट्री ले ली थी। अब तक वो हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं। इसके अलावा वो टीवी का भी जाना माना नाम हैं। वो दिव्य दृष्टि, पिशाचिनी जैसे शो के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में वो नीरज पांडे की वेब सीरीज खाकी द बंगाल चैटर में नजर आई थीं।



बिहार की राजनीति पर एक्शन फिल्म लेकर आएंगे सोनू सूद

सोनू सूद का नाम एक बार फिर से सुर्खियों में लौट आया है। सोनू अब बिहार की सामाजिक और राजनीतिक स्थिति पर बेस्ड नई फिल्म बनाने जा रहे हैं। उन्होंने खुद इस फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी कर ली है और इसके निर्देशन के साथ ही मुख्य भूमिका भी निभाएंगे। सोनू सूद ने कहा... यह फिल्म एक्शन बेस्ड होगी। बिहार मेरे दिल के बहुत करीब है। मैंने यहां पलते-बढ़ते राज्य की राजनीति और सामाजिक पहलुओं को नजदीक से देखा और समझा है। यह कोई डॉक्यूमेंट्री या राजनीतिक ड्रामा नहीं होगी, बल्कि मनोरंजक और रोमांचक फिल्म होगी। हम पिछले 7-8 महीनों से फिल्म की डिटेल्स पर काम कर रहे हैं। जल्द ही मैं इसका बड़ा ऐलान करूंगा। सोनू की पिछली निर्देशन फिल्म फतेह थी, जो एक ग्रिड्री एक्शन फिल्म थी। वे फिल्मों को केवल पैसे कमाने का जरिया नहीं मानते। उन्होंने कहा... मेरे लिए दर्शक सिर्फ ऑडियंस नहीं हैं, वे मेरे लिए एक बड़े परिवार की तरह हैं। उनके साथ बहुत गहरा रिश्ता है। मैं उन्हें केवल मुनाफे के नजरिए से नहीं देखता। बता दें कि कोविड-19 महामारी के दौरान सोनू सूद ने हजारों लोगों की मदद की थी। सोनू की पिछली निर्देशन फतेह थी, जो एक ग्रिड्री एक्शन फिल्म थी। वे फिल्मों को केवल पैसे कमाने का जरिया नहीं मानते। उन्होंने कहा... मेरे लिए दर्शक सिर्फ ऑडियंस नहीं हैं, वे मेरे लिए एक बड़े परिवार की



इमरान हाशमी-यामी गौतम की हक से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी वर्तिका सिंह

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की आगामी फिल्म हक बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। इस फिल्म से पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया-सुपरमॉडल वर्तिका सिंह बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। सुपरमॉडल वर्तिका सिंह को डायरेक्टर कर रहे हैं। इस फिल्म में वर्तिका एक ऐसी महिला की भूमिका निभाएंगी जो भावनात्मक रूप से बहुत मजबूत है। वह 'द फैमिली मैन' और 'राणा नायडू' जैसी वेब सीरीज में अपने संजीदा अभिनय के लिए जानी जाती हैं। फिल्म में अपने रोल के लिए वर्तिका ने काफी ट्रेनिंग ली। उन्होंने कई भाषा के जानकारों से उनके किरदार के लिए बोलने का लहजा सीखा। कई वर्कशॉप भी लीं। वर्तिका सिंह लखनऊ की रहने वाली हैं। इस फिल्म की शूटिंग लखनऊ में भी हुई है। मेकर्स का कहना है कि इस रोल के लिए वह बिल्कुल परफेक्ट थीं। वर्तिका सिंह ने 2019 में मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के 68वें संस्करण में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले उन्हें 2015 में फेमिना मिस इंडिया ग्रेड इंटरनेशनल का ताज पहनाया गया। जीव्य मैगजीन ने उन्हें 2017 में भारत की सबसे खूबसूरत महिलाओं में शुमार किया था। फिल्म हक की कहानी साल 1985 के प्रसिद्ध शाह बानो बनाम अहमद खान केस से प्रेरित है, जो महिला अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में एक मील का पत्थर माना जाता है। फिल्म में यामी गौतम शाह बानो का किरदार निभा रही हैं, जबकि इमरान हाशमी उनके पति मोहम्मद अहमद खान की भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म हक को सुपरण एस वर्मा ने डायरेक्ट किया है। इसमें शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हट्टगडी जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी मशहूर जर्नलिस्ट जिग्ना वोरा की बुक बानो-भारत की बेटी पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद जिग्ना वोरा ने कहा था कि फिल्म में सभी कलाकारों ने अपने-किरदार के साथ न्याय किया है। ख-सकर इमरान हाशमी और यामी गौतम ने बहुत अच्छी एक्टिंग की है। इस फिल्म को जंगली पिक्चर्स, इसोमिनिया फिल्म्स और बावेजा स्टूडियो ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

कुब्रा सैत को याद आए अपने पुराने दिन

एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक भावनात्मक पोस्ट के जरिए साल 2009 की अपनी यादों का पिटारा खोलते हुए अपने दर्शकों को बताया कि किस तरह उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर अपने सपनों की तलाश में मुंबई का रुख किया था। मुझे याद है मेरा पोर्टफोलियो दुबई में मिस इंडिया वर्ल्डवाइड में 'मिस पर्सनेलिटी' जीतने के कुछ समय बाद ही एक बेहतर इंसान और फोटोग्राफर सुनिथ श्याम ने बनाया था और अपनी उस पहली तस्वीर को मैंने फ्रेम करवाया था। यह जिंदगी की वो पहली सीढ़ी थी, जिसे मैंने अभी जिया भी नहीं था। हालांकि सालों बाद, जब मैंने फ्रेम बदलना चाहा, तो कांच तस्वीर से चिपक चुकी थी और तस्वीर निकालते समय उसका एक हिस्सा वहीं रह गया, बिल्कुल यादों की तरह। कुछ हिस्से धुंधले हो जाते हैं, कुछ साथ रह जाते हैं, लेकिन उस तस्वीर में शुरू हुई हिम्मत आज भी कायम है। कुब्रा सैत की यह पोस्ट अपनी सच्चाई और भावनात्मक गहराई के साथ दर्शकों के दिलों को इस कदर छू गई है कि वे उनके मुरीद बन गए हैं। साथ ही कभी नए सफर की शुरुआत का प्रतीक रही वह पुरानी तस्वीर अब उनकी उपलब्धियों और साहस की

गवाह बन चुकी है। सच कहें तो अपनी बोल्ट चेंसिंग और असली अंदाज के लिए जानी जाने वाली कुब्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनमें नरमी भी है, और यही उनकी असली ताकत है। गौरतलब है कि हाल ही में काजोल के साथ द ट्रायल सीजन 2 में नजर आई कुब्रा सैत ने अपने पहले रियलिटी शो राइज एन्ड फॉल के साथ अपना डेब्यू किया है और वे जल्द ही अपनी अगली फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नजर आएंगी।



धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करेंगे भुवन बाम

पॉपुलर इन्फ्लूएंसर और कॉमेडियन भुवन बाम जल्द ही बॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। वो धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म कुकु की कुडली में दिखेंगे। हाल ही में भुवन ने धर्मा प्रोडक्शन के साथ फिल्म का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और अपने डेब्यू की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की है। भुवन बाम ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से कॉन्ट्रैक्ट की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है, सपने देखो दोस्तों, पूरे हो जाते हैं। इसके आगे कमेंट पिन कर भुवन ने लिखा, आपके सपोर्ट के बिना ये मुमकिन नहीं होता, हमेशा आपकी दुआएं चाहिए। भुवन की पोस्ट में लगातार सेलेब्स और फैंस की बधाइयां आ रही हैं। एक्टर राजकुमार राव ने पोस्ट पर कमेंट कर लिखा है, बहुत बहुत मुबारक मेरे भाई। अंकल आंटी की दुआओं और तुम्हारी कड़ी मेहनत का फल है।

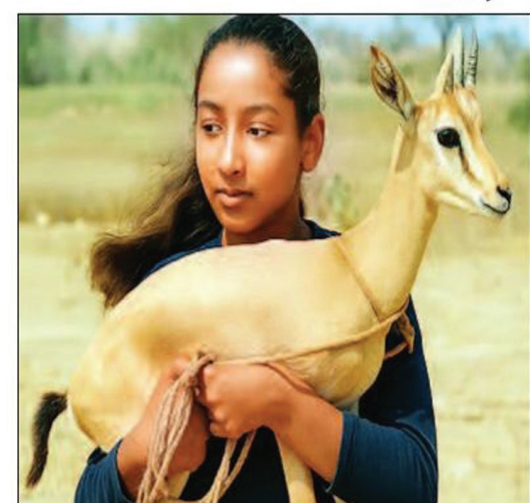
वामिका गब्बी के साथ नजर आएंगे

भुवन बाम ने धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म कुकु की कुडली साइन की है। फिल्म में उनके साथ वामिका गब्बी नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन शरण शर्मा कर रहे हैं। इससे पहले जान्हवी कपूर स्टारर फिल्म में मिस्टर एंड मिसेज माही और गुनजन सक्सेना-द कारगिल गर्ल डायरेक्टर कर चुके हैं। बॉलीवुड डेब्यू से पहले भुवन बाम ने जियो हॉटस्टार की सीरीज ताजा खबर से ओटीटी और एक्टिंग डेब्यू किया था। फिल्म कुकु की कुडली के अलावा भुवन बाम के बाद अमेजन प्राइम वीडियो की अपकमिंग सीरीज द रिवोल्यूशनरी भी है, जो साल 2026 में रिलीज होने वाली है।



इसमें भुवन के साथ रोहित सराफ, लापता लेडीज फेम एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा, जेसन शाह और गुरफतेह पीरजादा भी अहम किरदारों में होंगे। 22 जनवरी 1994 को जन्मे भुवन बाम ने साल 2015 में अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया था। वो टीटू मामा, बबलू, बनछोड़दास, अदरक बाबा, मिस्टर होला, पापा मक्रीचू जैसे किरदार निभाकर काफी पॉपुलर हुए थे। वो छोटे से कमरे में अपने मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्ड करते थे। यूट्यूब में बढ़ती पॉपुलैरिटी के साथ ही उन्होंने साल 2016 में म्यूजिक वीडियो तेरी मेरी कहानी लॉन्च किया, जिसमें उन्होंने खुद आवाज दी थी। आगे उनके संग हू तेरे, सफर, राहगुजर, बस में, अजनबी और हीर रांझा जैसे गाने बनाए। बढ़ती पॉपुलैरिटी के चलते भुवन को दिया दत्ता के साथ शॉर्ट फिल्म प्लस माइनस में कास्ट किया गया था, जिसके लिए उन्होंने फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था।

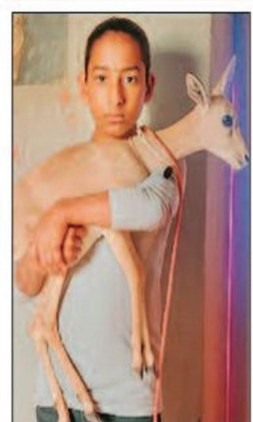
11 साल की पूजा बनी मुनकी की मां, चार महीने तक पाला हिरण का बच्चा



जयपुर। जैसलमेर जिले के लाठी क्षेत्र के सनावड़ा गांव में 11 साल की बच्ची पूजा ने ऐसा काम किया है, जिसने पूरे क्षेत्र को भावुक कर दिया। पूजा ने चार महीने पहले एक बेसहारा हिरण के बच्चे को गोद लिया, उसे अपने हाथों से पाला और उसकी देखभाल उसी स्नेह से की जैसे कोई मां अपने बच्चे की करती है। उस मासूम हिरण का नाम उसने प्यार से 'मुनकी' रखा।

दर्द से शुरू हुई ममता की यह कहानी
यह कहानी जून महीने की एक दोपहर की है, जब गांव के पास के खेतों में कुछ आवारा कुत्ते ने एक मादा हिरण पर हमला कर दिया। जब आगीगी मौके पर पहुंचे, तब तक हिरण की मौत हो चुकी थी। पास में एक छोटा-सा हिरण का बच्चा छिपा हुआ मिला, जो भयभीत और बेसहारा था। उसी समय पूजा अपने पिता भगवान सिंह के साथ वहीं मौजूद थी। उसने अपने पिता से कहा कि पापा, इसे घर ले चलते हैं, वही तो यह भी जरूरी है। बेटी की संवेदना देखकर पिता का दिल पिघल गया और वे हिरण के बच्चे को घर ले आए। इसी पल से शुरू हुई इंसान और वन्यजीव के बीच की एक अनोखी और भावनात्मक कहानी।

मुनकी को बना लिया परिवार का हिस्सा



घर लाने के बाद पूजा ने मुनकी को गाय और बकरी का दूध पिलाना शुरू किया। वह हर सुबह सबसे पहले मुनकी की देखभाल करती, उसे नहलाती, खिलाती और गोद में सुलाती थी। पूजा और मुनकी के बीच ऐसा गहरा रिश्ता बन गया कि अगर पूजा कुछ देर के लिए दूर चली जाती, तो मुनकी बैचैन हो जाती और खाना नहीं खाती। परिवार के लोगों का कहना है कि मुनकी ने पूजा को अपनी मां मान लिया था।

विदाई के वक्त छलक उठे आंसू

चार महीने तक पूजा ने मुनकी की देखभाल की। जब वह मजबूत और स्वतंत्र हो गई, तो वन विभाग ने उसे जंगल में लौटाने का निर्णय लिया। वनपाल कमलेश कुमार और वन्यजीव प्रेमी धर्मेन्द्र पुनिया टीम के साथ गांव पहुंचे और पूजा को समझाया कि अब मुनकी को अपने असली घर यानी जंगल में रहना चाहिए। जब हिरण को ले जाने का समय आया, तो पूजा ने उसे लगे लगाकर विदा किया और उसकी आंखों से आंसू बह निकले। पूजा गांव इस भावनात्मक दृश्य को देखकर भावुक हो उठी। पूजा ने कहा कि अब वो बड़ी हो गई है, अपने घर लौट गई है, लेकिन वो हमेशा मेरे दिल में रहेगी।

पूजा का वन अधिकारी बनने का सपना

वनपाल कमलेश कुमार ने इस घटना को वन्यजीव संरक्षण की मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि पूजा और मुनकी की कहानी यह साबित करती है कि ममता की कोई सीमा नहीं होती। वन्यजीव प्रेमी धर्मेन्द्र पुनिया ने पूजा को सम्मानित किया और 500 रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार दिया। अब पूजा का सपना है कि वह बड़ी होकर वन अधिकारी बने। वह कहती है कि मुनकी अब जंगल में खुश है। मैं बड़ी होकर उन सबकी रक्षा करूंगी जो बोल नहीं सकते।